ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष दशमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 324 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
22 मई 2025 गुरुवार

आज का मौसम
36 अधिकतम
27 न्यूनतम

दोपहर मेट्रो
बेबाक खबर हर दोपहर

Page-7

ऑपरेशन सिंदूर के बीच कांस में ऐश्वर्या का देशी अंदाज

कांस। बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर लौटीं तो उनका लुक में आपरेशन सिंदूर का संकेत मिलाा।इसी लुक को लेकर ऐश्वर्या राय बच्चन अब चर्चा में आ गईं। इस बार उनकी ड्रेस से ज्यादा लोगों की नजर उनके मांग में सजे चमकते लाल सिंदूर पर गई।

आईवरी रंग की बारीक बुनी बनारसी साड़ी, हाथ से तैयार टिशू का दुपट्टा और गले में 500 कैरेट से ज्यादा माणिक और अनकट हीरों से बना हार वे पहनी थीं लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा हो रही उनके सिंदूर की, जो भारतीयता का प्रतीक बनकर उभरा। ऐश्वर्या की कान्स में यह 22वीं उपस्थिति रही। उनका ये लुक ऐसे समय में सामने आया जब भारत सरकार 33 देशों में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बातचीत करने सांसदों के भेज रही है।

अमेरिका में मचा हाहाकार
शेयर बाजार हुआ धड़ाम, सेंसेक्स 850 अंक फिसला

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में एक बार फिर बड़ी गिरावट आज आई,इससे निवेशकों में हडकंप मचा हुआ है। इसे अमेरिकी शेयर मार्केट्स में मचे हाहाकार का असर माना जा रहा है। सेंसेक्स-निफ्टी दोनों इंडेक्स खुलते ही धड़ाम नजर आए। सेंसेक्स

रेड जोन में ओपन होने के बाद कुछ ही देर में 850 अंक का गोता लगा गया, तो वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 250 अंक तक फिसल गया। इससे पहले बीते कारोबारी दिन सेंसेक्स-निफ्टी जोरदार तेजी लेकर बंद हुए थे। आज सेंसेक्स 80,786 के स्तर पर आ है तो निफ्टी टूटकर 24,541 पर ट्रेड करता नजर आया। जानकारों का मानना है कि भारतीय बाजार में आए इस झटके से निवेशकों के करीब ढाईज्ञ लाख करोड रूपये डूब गये हैं।

मप्र में बदले मौसम के रंग
आज भी शाम तक दो दर्जन जिलों में आंधी-पानी

भोपाल। इस बार मई का महीना कई जिलों में सावन-भादौ जैसा अहसास दे रहा है। इस पूरे महीने प्रदेश के किसी न किसी जिले में रोज बारिश हो रही है। कल जबर्दस्त ओले, बारिश और आंधी का दौर रहा तो कई शहरों में जमकर गर्मी पड़ी है। यही मौसम आज भी रहेगा। ग्वालियर-चंबल संभाग में लू और भोपाल, इंदौर समेत 35 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुवार को ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में लू चलेगी। वहीं, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, आदि में आंधी का ऑरेंज अलर्ट है।हवा की रफ्तार 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, सीहोर, शाजापुर, देवास, धार और रतलाम में तेज आंधी और बारिश होने की संभावना है।

भारत से फ्रांस-जापान ने पाक की ध्वस्त मिसाइल का मलबा मांगा

नई दिल्ली। इंडियन एयरफोर्स के एयर डिफेंस सिस्टम ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की चीन में बनी जिस मिसाइल को तबाह कर दिया था। उसका जांच परीक्षण अब फ्रांस और जापान करना चाहते हैं, ताकि यह पता कर सकें कि इसे बनाने के लिए चीन ने किस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। दरअसल 9 मई को पंजाब के होशियारपुर जिले में PL-vzE मिसाइल के टुकड़े बरामद हुए थे। बताया जाता है कि फाइव आइज देश (अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड) भी इस मिसाइल के मलबे की जांच करना चाहते हैं। ये सभी देश मिसाइल के रडार, मोटर, गाइडेंस सिस्टम, और एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड ऐरे रडार टेक्नीक को रिवर्स इंजीनियरिंग के जरिए समझना चाहते हैं।

सीमा पर पहुंचकर मोदी ने पाकिस्तान को दिया करारा पैगाम

जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो इसका नतीजा दुनिया देखती है

बीकानेर में पीएम ने सेना के शौर्य को किया सलाम

बीकानेर/भोपाल,एजेंसी,दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज पाकिस्तानी की सीमा के करीब राजस्थान के बीकानेर में पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन का लोकार्पण करने पहुंचे तो आतंकवादियों और पाकिस्तान को कड़ा संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने बहनों की मांग का सिंदूर उजाड़ दिया था, उनकी गोलियों से 140 करोड देशवासियों का सीना छलनी हुआ था, इसके बाद सभी ने एकजुट होकर संकल्प लिया था कि आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे। आज सेना के शौर्य से हम सब गर्वित हैं। सरकार ने तीनों सेना को खुली छूट दी थी। सेना ने ऐसा चक्रव्यूह रखा कि पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। 22 अप्रैल के हमले के जवाब में हमने 22 मिनट में आतंकियों के सबसे बडे ठिकाने तबाह किये। जब सिंदूर बारूध बन जाता है तो नतीजा क्या होता है। दरअसल आज पहलगाम हमले को पूरा एक महीना हुआ है। लिहाजा मोदी का भाषण बहुत सांकेतिक रहा।

इससे पहले मोदी आज देशभर में 103 रेल्वे स्टेशनों की नई इमारतों का लोकार्पण यहां से किया। इनमें मध्यप्रदेश के कटनी, शाजापुर, ओरछा, सिवनी,शाजापुर व श्रीधाम स्टेशन भी शामिल हैं। ये सभी स्टेशन न सिर्फ यात्रियों को सुगम, सुरक्षित व आनंददायक यात्रा का अनुभव देंगे, बल्कि व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेंगे। पीएम मोदी ने सुबह बीकानेर के पास देशनोक रेलवे स्टेशन पर बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। देशनोक में भी अमृत योजना के तहत स्टेशन पुनर्विकसित किया गया है। कायक्रम में सीएम मोहन यादव नर्मदापुरम स्टेशन से जुडे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व अर्जुनराम मेघवाल भी पीएम के साथ मौजूद रहे। इससे पहले मोदी ने करणी माता के दर्शन किये व पलाना में जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री करीब तीन घंटे तक बीकानेर में रुके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के 103 और मध्यप्रदेश के 6 रेलवे स्टेशन के उन्नयन कार्यों के वर्चुअली उद्घाटन में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नर्मदापुरम से सहभागिता की।

अब न खेल न व्यापार सिर्फ पीओके पर ही होगी पाकिस्तान से बात

मोदी ने कहा कि पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पडेगी। उसने यहां के एयरबेस को निशाना बनाने की कोशिश की लेकिन वह रत्तीभर भी नुकसान नहीं पहुंचा सका। बल्कि पाकिस्तान के नजदीकी एयरबेस को भारतीय सेना ने तहसनहस कर दिया है वह आईसीयू में पडा है। अब पाकिस्तान के साथ न खेल होगा न व्यापार। पाकिस्तान को भारत के हक का पानी भी नहीं मिलेगा। यदि अब आतंकी हमला हुआ तो सेना जवाब देना का तरीका और समय तय करेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि एटम बम की गीदड़ भभकियों से भारत डरने वाला नहीं है। हम आतंक के आकाओं और आतंकी सरपरस्त सरकार को अलग-अलग नहीं देखेंगे। उन्हें एक ही मानेंगे। पाकिस्तान का ये स्टेट और नॉन स्टेट एक्टर वाला खेल अब नहीं चलेगा। आपने देखा होगा, पूरी दुनिया में पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए हमारे देश के सात अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल विश्वभर में पहुंच रहे हैं। इसमें देश के समस्त राजनीतिक दलों के लोग हैं। अब पाकिस्तान का असली चेहरा पूरी दुनिया को दिखाया जाएगा। पाकिस्तान भारत से कभी सीधी लड़ाई जीत भी नहीं सकता। जब भी सीधी लड़ाई होती है, तो बार-बार पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ती है। इसलिए पाकिस्तान ने आतंकवाद को भारत के खिलाफ लड़ाई का हथियार बनाया है। आजादी के बाद पिछले कई दशकों से यही चला आ रहा है। पाकिस्तान आतंक फैलाता था, निर्दोष लोगों की हत्या करता था। भारत में डर का माहौल बनाता था लेकिन पाकिस्तान एक बात भूल गया। अब मां भारती का सेवक मोदी यहां सीना तानकर खड़ा है। मोदी का दिमाग ठंडा है, ठंडा रहता है लेकिन लहू गर्म रहता है।

उन्होंने कहा कि हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और ये कीमत पाकिस्तान की सेना चुकाएगी, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चुकाएगी। जब मैं दिल्ली से यहां आया तो बीकानेर के नाल एयरपोर्ट पर उतरा। पाकिस्तान ने इस एयरबेस को भी निशाना बनाने की कोशिश की थी।

विकास से रोजार के अवसर होते हैं पैदा

इस मौके पर उन्होंने कहा कि जब विकास होता है तो रोजगार के नए अवसर भी पैदा होते हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर लोग देख रहे हैं कि इन रेलवे स्टेशनों का पहले क्या हाल था, अब इनकी तस्वीर बदल रही है। विकास भी, विरासत भी मंत्र का इन स्टेशनों पर नजारा साफ दिखाई देता है। यह स्थानीय कला व संस्कृति का भी प्रतीक है। मोदी ने कहा कि भारत में हो रहे विकास कार्यों को देखकर दुनिया हैरान है। उत्तर में चिनाब ब्रिज जैसे निर्माण से लोग हैरान हैं तो पूर्व में असम की बोगीबील ब्रिज, पश्चिम में मुंबई में समुंदर पर बना अटल सेतु नजर आएगा। पीएम ने कहा- हम माल गाड़ियों के अलग से स्पेशल पटरियां बिछा रहे हैं। देश में पहली बुलेट ट्रेन का काम चल रहा है। इसके साथ ही 1300 से ज्यादा रेलवे स्टेशन को आधुनिक बना रहे हैं। इसे अमृत भारत स्टेशन का नाम दिया है।

किश्तवाड़ में जंगल में एनकाउंटर जारी
जैश के 2 आतंकी ढेर, 2 और आतंकियों को सेना ने घेरा

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस दौरान 2 आतंकियों के मारे जाने की खबर है। वहीं सेना ने दो को घेर लिया है। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने किश्तवाड़ के सिंहपोरा, चटरू इलाके में कई आतंकवादियों को घेर रखा है। सेना और सुरक्षा बलों का संयुक्त अभियान अभी जारी है। मौके पर गोलीबारी भी हुई है। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और खतरे को बेअसर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हाई अलर्ट ऑपरेशन में आतंकवादियों से निपटने के लिए सेना की ओर से गोलीबारी की खबर है।

आतंकी लांचपैड तबाह

उधर बीएसएफ ने कहा है कि जम्मू में भारत-पाकिस्तान सीमा पर एक ऑपरेशन में पांच पाकिस्तानी चौकियों और मस्पतुर में एक आतंकी लॉन्च पैड को तबाह कर दिया गया है, । हालांकि ये ऑपरेशन किस दिन चलाया गया था। इसकी जानकारी नहीं दी गई है। कहा जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही पाकिस्तान लगातार भारतीय क्षेत्र को निशाना बना रहा है। उधर जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ के सिंहपोरा और चतरू इलाके में गुरुवार सुबह 3-4 आतंकी देखे गए। सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच एनकाउंटर शुरू हो गया है।

कर्नाटक के गृहमंत्री के परिसरों पर ईडी की छापेमारी जारी

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव और अन्य के खिलाफ कथित सोना तस्करी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर राव से जुड़े स्थानों पर गुरुवार को भी छापेमारी जारी रखी। सूत्रों के अनुसार, राज्य में सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज और सिद्धार्थ कॉलेज में तलाशी जारी रही।ईडी के अधिकारियों ने बुधवार को धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत राज्य में 16 स्थानों पर छापेमारी की, जिसमें हवाला ऑपरेटरों और आवास प्रवेश ऑपरेटरों को निशाना बनाया गया। इन लोगों पर कथित तौर पर राव के खातों में फर्जी वित्तीय लेनदेन के आरोप हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने राव के मामले सहित भारत में बड़े सोना तस्करी रैकेट के संबंध में सीबीआई और डीआरआई की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कुछ महीने पहले पीएमएलए का मामला दर्ज किया था।

राहत , 1 जून की बजाय 26 मई को आने की संभावना
इस बार मानसून छह दिन पहले दे सकता है दस्तक

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी के बीच अचानक मौसम ने अपना रुख बदल लिया है। वहीं, मौसम विज्ञान विभाग ने भी कहा है कि इस बार मानसून केरल में तय समय से पहले दस्तक दे देगा। मौसम विभाग के अनुसार केरल में आमतौर पर मानसून 1 जून को आता है, लेकिन इस साल 26 मई के आसपास आने की संभावना है, जो सामान्य तारीख से करीब छह दिन पहले है। यह 2009 के बाद पहला मौका हो सकता है जब मानसून इतनी जल्दी केरल में दस्तक देगा। इस बीच 22 मई से दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण अरब सागर के कुछ और हिस्सों, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र के बाकी इलाकों, लक्षद्वीप, केरल, तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, दक्षिण और मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने की संभावना है।

मेट्रो एंकर
आईएसआई के जाल में फंस रहे तीन राज्यों के युवा
जासूसों की नई दुनिया, पैसा ग्लैमर व सोशल मीडिया

नई दिल्ली, एजेंसी।

एक वक्त था जब जासूसी नॉवेल व कॉमिक खूब पढी जाती थीं लेकिन अब समय समय पर कई ऐसे जासूस पकडे जा रहे हैं जो देश की सुरक्षा का सौदा कर रहे हैं। यानि जासूसी की दुनिया का रोमांच अब केवल फिल्मों तक सीमित नहीं रहा। हाल ही में एक सनसनीखेज कार्रवाई में तीन राज्यों हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश से 11 पाकिस्तानी जासूसों को दबोचा गया है। यह सब 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ और भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने जासूसी के एक खतरनाक नेटवर्क का पर्दाफाश किया। इन जासूसों में एक ट्रैवल व्लॉगर से लेकर सुरक्षा गार्ड और ऐप डेवलपर तक शामिल हैं, जो सोशल मीडिया, हनीट्रैप और पैसे के लालच में फंसकर देश की संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को लीक कर रहे थे। इस कार्रवाई ने न केवल जासूसी के नए तरीकों को उजागर किया, बल्कि यह भी बताया कि

सोशल मीडिया जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल खतरनाक मंसूबों के लिए हो रहा है। इनमें हरियाणा के हिसार की ज्योति मल्होत्रा का मामला खूब सुर्खियों में है। ऐसे मामले में ट्रैवल व्लॉगर ज्योति से लेकर पंजाब के मलेरकोटला के युवाओं तक, ये जासूस हनीट्रैप, मैसेजिंग ऐप्स और व्यक्तिगत यात्राओं के जाल में फंसाए गए। मीडिया रिर्पोर्टस सुरक्षा एजेंसियों के हवाले से कहती हैं कि जासूसी नेटवर्क विशेष रूप से 20-30 आयु वर्ग के युवाओं को निशाना बनाता था, जो सोशल मीडिया पर सक्रिय थे। इनमें से कई लोग अनजाने में जाल में फंस गए, जबकि कुछ को पैसे और अन्य प्रलोभनों ने लालच में डाला। मसलन ज्योति मल्होत्रा को कथित तौर पर एक फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए हनीट्रैप में फंसाया गया, जिसके बाद वह संवेदनशील जानकारी साझा करने लगीं। इसी तरह, पंजाब के मलेरकोटला से गिरफ्तार छह लोगों का समूह स्थानीय स्तर पर छोटे-मोटे काम करता था, लेकिन उन्हें सीमा पार से मिलने वाले निर्देशों के आधार पर सैन्य ठिकानों की तस्वीरें और जानकारी भेजने के लिए प्रेरित किया गया।

सीमावर्ती इलाकों में फैलाते हैं जाल

■ उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के सीमावर्ती इलाको में यह नेटवर्क खासा सक्रिय है। सुरक्षा एजेंसिया अब और ज्यादा सतर्क हैं। हाल में जो लोग इन मामले में पकड़े गये उनमें ज्योति मल्होत्रा के अलावा नोमान इलाही पानीपत, देवेंद्र ढिल्लन कैथल,मो.मुर्तजा अली जलंधर,शहजाद मुरादाबाद, सुखप्रीत व करनवीर गुरदासपुर,यामीन मोहम्मद व गजालाखातून मलेरकोटला,तरीफ व मोहम्मद अरमान नूंह के हैं।

ट्रैवल वीडियो में एक खास पैटर्न

■ चंडीगढ़ में ज्योति की जांच के दौरान एनआईए टीम को उसके ट्रैवल वीडियो में खास किस्म का पैटर्न दिखा है। उसके यूट्यूब चैनल 'ट्रैवल विद जो' पर ज्यादातर वीडियो धार्मिक टूरिज्म के हैं। हालांकि, इन वीडियो में धार्मिक स्थलों की जानकारी की बजाय उसने ज्यादा फोकस वहां की सिक्योरिटी को लेकर किया है। खासकर बॉर्डर एरिया के वीडियो में यह ज्यादा देखने को मिला। जांच टीमें उसकी पाकिस्तान, चीन, इंडोनेशिया, दुबई, थाईलैंड, नेपाल और भूटान विजिट के वीडियो की भी गहनता से जांच में जुट गई हैं।

बेलगाम अतिक्रमणकारी, कार्रवाई के बाद फिर जम गए, ननि अमले से बहस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगर निगम उन अतिक्रमणकारियों से परेशान है जो कार्रवाई के बाद भी सुधर नहीं रहे हैं बल्कि फिर उसी जगह पर अपना कारोबार करने लगते हैं। ऐसा ही मामला जहांगिराबाद इलाके में सामने आया है। यहां पांच दिन पहले जिनका सामान हटाया गया था वे फिर वहीं जम गये इस पर नगर निगम कर्मचारियों और अतिक्रमणकारियों के बीच जमकर बहसबाजी हुई। टीम ने पातरा पुल पर प्याज और सब्जी की गाड़ियों ट्रैफिक पुलिस की मदद से जब्त कीं। लिली टॉकीज चौराहा से 5 दोपहिया और 3 चार पहिया वाहन भी जब्त किए। अतिक्रमण अधिकारी सृष्टि भदौरिया का कहना है कि जहांगीराबाद इलाके में ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इस दौरान सड़कों, फुटपाथों, कॉरिडोर और सार्वजनिक जगहों पर कार्रवाई की गई। सड़क पर खड़े 5 दोपहिया वाहन के साथ सब्जी वाले वाहन भी जब्त किए। इनके खिलाफ पहले भी कार्रवाई की जा चुकी है। लेकिन फिर से सड़क पर आ जाते हैं। इससे ट्रैफिक की समस्या होती है। इसके अलावा करोंद, कैलाश नगर, हरी मजार, अशोका गार्डन, सोनिया कॉलोनी, एमपी नगर जोन-1, कान्हा टावर, पारस सिटी, गुफा मंदिर रोड, , हमीदिया अस्पताल गेट नंबर-2, शाहजहांनाबाद, 11 मील, नेहरू नगर, भदभदा रोड, पंचशील नगर में भी कार्रवाई की गई।

ननि अमले ने तोड़े चबूतरे

ननि टीम ने करोंद पलासी क्षेत्र में मकानों के सामने बने 5 अवैध चबूतरे तोड़े। मजार के पास से अवैध रूप से पार्क किए गए 3 चारपहिया वाहन, सोनिया गांधी कॉलोनी में अवैध रूप से खड़ा ऑटो, अवधपुरी में नाली पर से कब्जे हटाए।

गंदगी का ढेर

भोपाल के विश्वकर्मा नगर में मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक के पास गंदगी से रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है

पिछले तीन चार साल से बदल रहे हैं हालात

पहली बार... राजधानी के एयरपोर्ट को 7 करोड़ का फायदा, अब बड़ा बजट मिलना हुआ आसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट ने दस साल बाद पहली बार आर्थिक फायदे में खुद को पाया है। यह एयरपोर्ट कई साल से लगातार घाटे में चलने के कारण यात्री सुविधाओं के लिए व्यवस्था जुटाना थोड़ा मुश्किल हो रहा था लेकिन अब बजट मिलना आसान होगा।

इससे एयरपोर्ट पर चल रहे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट वर्क जल्द पूरे हो सकेंगे। मुख्य रूप से विमानों के आने और जाने में बदलाव, मेंटेनेंस और ओवरहॉलिंग हब का निर्माण, नए हैंगर बनाने, फायर सेंटर के रेनोवेशन के लिए पेंडिंग बजट भी जल्द मिल सकेगा। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी को उम्मीद है कि अगले वित्तवर्ष तक यह फायदा और बढ़कर 10 करोड़ से ज्यादा के आंकड़े पर पहुंच सकता है।

उल्लेखनीय है कि 2015-16 के दौरान भोपाल से केवल दिल्ली-मुंबई के लिए सीमित संख्या में ही फ्लाइट्स का संचालन होता था। इस वजह से एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से सीमित बजट मिलता था और खर्च ज्यादा होता रहा। हवाई यात्रा महंगी होने के कारण यात्री भी कम संख्या में सफर करते थे। उस दौरान एयर इंडिया, जेट एयरवेज सहित कुछ ही एयरलाइन्स कंपनियां फ्लाइट्स चलाती थीं। मगर कुछ वर्ष में ही हालात काफी बदल चुके हैं। इंडिगो जैसी इकोनॉमी एयरलाइन्स कंपनी भी अपनी फ्लाइट्स पर यात्रियों को कम से कम रेट्स वाले टिकट पर उपलब्ध करवा रही है। इस वजह से एयरपोर्ट का घाटा कम होता जा रहा है। बताया जाता है कि यात्री सुविधाओं में भी अब इजाफा आसान हो जाएगा। गौरतलब है कि भारतीय वायुसेना ने भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर बोइंग 777 की पिछले दिनों सफल ट्रायल लैंडिंग भी कराई है। जिससे यह राज्य का पहला ऐसा एयरपोर्ट बन गया, जो इतने बड़े विमान को होस्ट कर सकता है। लंबी दूरी की उड़ानों के लिए इस्तेमाल होने वाला यह विमान 74 मीटर लंबा और विशाल विंगस्पैन वाला है, इसकी लैंडिंग से एयरपोर्ट के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और वीवीआईपी मूवमेंट को सपोर्ट करने की क्षमता का प्रमाण मिला। भोपाल एयरपोर्ट को इस अपग्रेड के तहत नए रनवे टर्न पैड और टैक्सीवे विस्तार जैसी सुविधाएं दी गई हैं, जिससे यह बड़े विमानों के संचालन में सक्षम हो गया है। तीन विशेष पार्किंग स्टैंड बनाए गए हैं, जहां बोइंग जैसे बड़े विमान आसानी से खड़े हो सकते हैं। बताया जाता है कि 2023 में बुनियादी ढांचे का सुधार व डीजीसीए से कमीशनिंग की मंजूरी मिलने के बाद यह ऐतिहासिक ट्रायल संभव हुआ। इस ट्रायल के साथ, भोपाल हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय स्तर के बड़े विमानों के संचालन और वीवीआईपी मूवमेंट के लिए पूरी तरह तैयार हो चुका है।

ई ज्ञान सेतु भी लोकार्पित

यूपीएससी क्लियर करने वाले युवाओं का मुख्यमंत्री ने किया सम्मान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

यूपीएससी सिविल सर्विसेज परीक्षा में उर्त्तीण 58 प्रतिभागियों का कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में सम्मान किया गया है। कुल 58 प्रतिभागियों में से 15 युवतियां हैं। सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार उपस्थित थे। इस अवसर पर सीएम ने ई-ज्ञान सेतु का शुभारंभ किया। इसके जरिए यूट्यूब व अन्य प्लेटफार्म पर बच्चों को स्टडी मटेरियल ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें ऑनलाइन कोर्स, वीडियो ट्यूटोरियल, और अन्य सामग्री शामिल है। ई-ज्ञान सेतु पर मेडिकल से लेकर इंजीनियरिंग व बिजनेस से जुड़े स्टडी मटेरियल उपलब्ध होंगे। इसके लिए भोपाल व इंदौर समेत प्रदेश के 10 जिलों में डिजिटल स्टूडियो तैयार किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि परीक्षा में ग्वालियर की आयुषी बंसल को 7वीं रैंक मिली है। इससे पहले आयुषी ने यूपीएससी 2023 में 97वीं और 2022 में 188वीं रैंक हासिल की थी। ग्वालियर के ही माधव अग्रवाल ने 16वीं रैंक हासिल की है। वे सीए में भी टॉप रैंक हासिल कर चुके हैं। रीवा के रोमिल द्विवेदी को 27वीं रैंक मिली है। वे सहकारिता विभाग के जॉइंट कमिश्नर केके द्विवेदी के बेटे हैं। मंदसौर जिले के गरोठ के रहने वाले ऋषभ चौधरी ने 28वीं रैंक हासिल की है। खास बात ये कि ऋषभ ने बिना कोचिंग के ही ये मुकाम पाया है। यूपीएससी क्लियर करने वाले 31 प्रतिभागी ऐसे हैं जिनकी एजुकेशन सरकारी संस्थान से हुई है। इनमें यतीश अग्रवाल ने संस्कृत विषय से पढ़ाई की है। वहीं चंदेरी के विवेक भी हिंदी मीडियम से पढ़े हैं।

प्रशासन चलाना आसान नहीं..

इस मौके पर सीएम यादव ने कहा कि प्रशासन चलाना आसान नहीं होता। मुश्किल निर्णय लेने होते हैं। सम्राट विक्रमादित्य ने न्याय के लिए अपने तीन सालों को और लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने ही बेटे को हाथी के पैरों से कुचलवा दिया था। अहिल्याबाई ने अपने पति द्वारा अलग जमा किए जा रहे धन को भी सरकारी खजाने में जमा करवा दिया था। ऐसे चलाया जाता है प्रशासन। सीएम ने सुभाष चंद्र बोस का किस्सा बताया कि उन्होंने अंग्रेजों के समय आईसीएस परीक्षा देकर अव्वल स्थान प्राप्त किया, लेकिन फिर सर्विस ठुकराकर अंग्रेजों का घमंड तोड़ा।

रिसर्च में केवल 5 मिनट मे फायदे के दावे

एम्स में प्राणायाम.. दिल की सेहत सुधारने सांस लेने की नई तकनीक खोजी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित एम्स ने सांस लेने की नई तकनीक का पता लगाया है। केवल पांच मिनट की ऐसी सांस लेने की यह खास तकनीक दिल की सेहत को सुधार सकती है। एम्स के अध्ययन में प्राणायाम यानी योगिक श्वसन अभ्यास पर किए गए इस रिसर्च में पाया गया कि नियमित अभ्यास से न केवल हृदय की कार्यप्रणाली बेहतर होती है, बल्कि मानसिक तनाव भी काफी हद तक कम हो जाता है। अध्ययन एम्स भोपाल के फिजियोलॉजी विभाग और आयुष विभाग द्वारा किया गया। जिसे दो दिन पहले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शुरू की गई 30 दिवसीय योग रखे निरोग अभियान के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस रिसर्च को जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड हेल्थ प्रमोशन में प्रकाशित किया गया है। एम्स भोपाल के फैकल्टी सदस्य और अध्ययन के प्रमुख लेखक डॉ. वरुण मल्होत्रा के अनुसार, प्राणायाम से सांस की गति धीमी होती है, जिससे हृदय की धड़कन शांत होती है। तनाव दूर होता है। यह शरीर के ऑटोनॉमी नर्वस सिस्टम को संतुलित करता है। आसान भाषा में कहें तो वह प्रणाली जो हृदय, फेफड़े और अन्य आंतरिक अंगों को नियंत्रित करती है।

बताया जाता है कि इस अध्ययन में 20 अनुभवी योग साधकों को शामिल किया गया। इसमें राइट नॉस्ट्रिल ब्रीदिंग (आरएनबी) और लेफ्ट नॉस्ट्रिल ब्रीदिंग (एलएनबी) दो प्राणायाम तकनीकों के प्रभावों का विश्लेषण किया गया। साथ ही, इसमें राइट नॉस्ट्रिल ब्रीदिंग और लेफ्ट नॉस्ट्रिल ब्रीदिंग की तुलना की गई। केवल 5 मिनट प्राणायाम करने के बाद रीडिंग ली गई। जिससे यह नतीजे सामने आए।

एम्स के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. दानिश जावेद का कहना है कि कोविड काल में शुरू की गई ऑनलाइन योग कक्षाओं से मरीजों को मानसिक शांति मिली थी। उसी अनुभव के आधार पर एम्स में अब नियमित योग और ध्यान सत्र मरीजों के लिए आयोजित किए जा रहे हैं।

जर्नलिस्ट हेल्थ केयर समिति का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

भोपाल। सोसायटी फॉर जर्नलिस्ट हेल्थ केयर समिति, अपोलो सेज हास्पिटल एवं स्थानीय पार्षद योगेन्द्र गुड्डू चौहान के सहयोग से रविवार 25 मई को स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन कर रही है। समिति द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पांच नंबर बस स्टॉप शिवाजी नगर स्थित पंडित शीतल प्रसाद तिवारी वाचनालय परिसर में आयोजित इस शिविर में पत्रकार साथियों, उनके परिजनों और स्थानीय रहवासियों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ कुछ नियमित जांचें एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों के परामर्श की व्यवस्था की गई है। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक रखा गया है।

पुण्यतिथि पर ब्लॉक कांग्रेस ने श्रद्धांजलि अर्पित की

संचार क्रांति के जनक राजीव गांधी को किया नमन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, स्वर्गीय राजीव गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर संतनगर में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने राजीव गांधी के देश के विकास में दिए गए अभूतपूर्व योगदान को याद किया और उन्हें संचार क्रांति का जनक॰ बताया।

राजीवीर मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम में, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पार्षद अशोक मारण ने सभा की अध्यक्षता की। मारण ने कहा कि राजीव गांधी ने ही भारत को 21वीं सदी के लिए तैयार करने की दूरगामी सोच रखी, जिसकी बदौलत आज देश में पंचायती राज व्यवस्था, हरित क्रांति, संचार क्रांति और कंप्यूटर युग का विस्तार हुआ।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी ने बताया कि राजीव गांधी ने ही युवाओं को मतदान का अधिकार 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किया, जिससे देश के युवा वर्ग को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी आवाज उठाने का सशक्त अवसर मिला। इस अवसर पर उपस्थित सभी कांग्रेसजनों ने दिवंगत नेता की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रवक्ता महेश गुरबानी ने किया।

इस श्रद्धांजलि सभा में उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता तेजा सिंह सोढ़ी, रामभरोसे भगवानिया, प्रकाश विधानी, मनोहर सतानी, आत्माराम सूर्यवंशी, नरेंद्र केवलानी, अशोक गोपलानी, पूनम यादव, अनिल टेकचंदानी, सुरेश सिंगरोली और विष्णु मारण सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

भूखे को भोजन, बीमार को सहारा-

हमीदिया में मानव सेवा समिति की अटूट अन्न सेवा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक, हमीदिया हॉस्पिटल के परिसर में पिछले सात सालों से एक अनूठी %अन्नपूर्णा% चल रही है। %मानव सेवा एवं कल्याण समिति% नामक एक स्वयंसेवी संस्था, बिना किसी शोर-शराबे के, प्रतिदिन सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को निःशुल्क और पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रही है। यह महज भोजन वितरण नहीं, बल्कि ÷मानव सेवा ही माधव सेवा है÷ के सिद्धांत को जीवंत करने का एक पुनीत प्रयास है। समिति के दूरदर्शी संस्थापक सुनील कुमार चंदानी, जिन्हें लोग %जय भोले% के नाम से भी जानते हैं, बताते हैं कि यह सेवा कोई एक-दो दिन की बात नहीं, बल्कि पिछले सात वर्षों से अनवरत जारी है। ÷यह सब हमारे सेवादारों के निस्वार्थ समर्पण और दानदाताओं के खुले हाथों के बिना संभव नहीं था,÷ वे कहते हैं।

सुबह 11 बजे से ही लगती है कतार: रोजाना सुबह 11 बजे से दोपहर 12:30 बजे के बीच, मेडिकल कॉलेज के पास स्थित मंदिर प्रांगण में लगभग 500 लोग भोजन के लिए एकत्र होते हैं। इन लोगों में दूर-दराज से आए मरीज और उनके परिजन शामिल होते हैं, जिनके लिए अस्पताल में इलाज के साथ-साथ भोजन का प्रबंध करना अक्सर एक बड़ी चुनौती बन जाता है। समिति द्वारा परोसी जाने वाली भोजन की थाली में दाल, रोटी, सब्जी, पुलाव और मौसमी फल शामिल होते हैं, जो न केवल पेट भरते हैं, बल्कि स्वास्थ्य और पोषण का भी ध्यान रखते हैं।

परोपकार के विशेष अवसर: चंदानी बताते हैं कि कई दानदाता अपनी निजी खुशियों, जैसे जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, या किसी प्रियजन की पुण्यतिथि को और भी सार्थक बनाने के लिए इस भोजन सेवा में सक्रिय रूप से सहभागिता करते हैं। वे स्वयं आकर भोजन वितरण में हाथ बंटाते हैं, जिससे उन्हें आत्मिक संतोष मिलता है और दूसरों के चेहरे पर खुशी देखकर वे स्वयं को धन्य महसूस करते हैं।

जय भोले का संकल्प

संस्थापक सुनील कुमार चंदानी का दृढ़ संकल्प है कि यह भोजन सेवा ईश्वर के आशीर्वाद से उनकी अंतिम सांस तक निरंतर चलती रहेगी। यह समिति उन हजारों लोगों के लिए आशा की किरण बन चुकी है, जिन्हें कठिन समय में भोजन की मूलभूत आवश्यकता पूरी करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। %मानव सेवा एवं कल्याण समिति% का यह कार्य निस्वार्थ सेवा, करुणा और मानवीयता का एक अनूपम उदाहरण प्रस्तुत करता है, जो समाज में परोपकार की भावना को और मजबूत करता है।

केवायसी पूरी होने का इंतजार,1 जून से शुरूआत

पारदर्शिता का तकाजा: पीडीएस के लिए स्मार्ट सिस्टम

टोपर मेट्रो, भोपाल

मप्र सरकार सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली को ज्यादा मजबूत और पारदर्शी बनाने के लिए स्मार्ट पीडीएस सिस्टम अब एक जून से लागू करने की तैयारी हो गई है। पहले इसे एक मई से लागू होना था, लेकिन ई-केवाईसी का काम पूरा न हो पाने के कारण देरी हुई। प्रदेश में 87 प्रतिशत उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी हो चुकी है। अफसरों का कहना है कि 31 मई तक बचे हुए उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी पूरा कर लेने का लक्ष्य है। ई-केवाईसी के लिए यही अंतिम तिथि भी है।

दरअल इस प्रणाली के लागू होने के बाद केंद्र सीधे मॉनिटरिंग कर सकेगा। स्मार्ट पीडीएस के तहत पारदर्शिता को बढ़ाने के प्रयास की कड़ी में यह बदलाव किया जा रहा है ताकि सभी राज्यों में खाद्यान्न वितरण को लेकर एक जैसी स्थिति रहे। कुछ राज्य अपने स्तर पर बदलाव कर लेते थे, लेकिन अब राज्यों की स्थिति के आधार पर राशन देना होगा। अभी भी कुछ राज्यों में एपीएल को राशन दिया जाता है, जिसे अब बंद कर दिया जाएगा। वैसे पहले से ही वन नेशन वन राशन कार्ड लागू है, जिसके तहत पात्र हितग्राही देश में कहीं से भी राशन ले सकता है।

कृषक मित्र योजना लागू

इधर मप्र किसानों की खेती लागत कम करने और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए तीन साल के लिये प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना लागू हो गई है। इस योजना के तहत किसानों को सोलर पंप स्थापित करने के लिए केवल 5 से 10 प्रतिशत राशि अंशदान के रूप में देनी होगी। भारत सरकार 30 प्रतिशत अनुदान देगी, जबकि 65 प्रतिशत तक राशि सरकार की गारंटी पर बैंक ऋण के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी। विशेष रूप से इस ऋण का भुगतान भी राज्य सरकार करेगी। पहले चरण में डेढ़ लाख अस्थायी कृषि पंप कनेक्शन धारकों को शामिल किया जाएगा। दावा है कि बिजली खर्च कम होगा व अतिरिक्त ऊर्जा का उपयोग अन्य कार्यों जैसे आटा चक्की, कोल्ड स्टोरेज और बैटरी चार्जिंग के लिए भी हो सकेगा।

शिक्षक संगठन ने सौंपा ज्ञापन

शिक्षक संवर्ग की रिटायरमेंट उम्र 65 वर्ष करने की मांग

टोपर मेट्रो, भोपाल

म.प्र. शासकीय शिक्षक संगठन ने चिकित्सा शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग के शैक्षणिक संवर्ग के लोक सेवकों की रिटायरमेंट आयु 65 वर्ष के समान स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक संवर्ग की रिटायरमेंट उम्र 62 वर्ष के स्थान पर 65 वर्ष करने की मांग मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री से की है। संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि जब शासन ने उच्च शिक्षा विभाग एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रोफेसर, डॉक्टर एवं अन्य शैक्षणिक संवर्ग की रिटायरमेंट उम्र 62 के स्थान पर 65 वर्ष निर्धारित की है तो स्कूल शिक्षा विभाग के शैक्षणिक संवर्ग की आयु 62 वर्ष रखना न्यायसंगत नहीं है। उक्त निर्देश विभागों में भेदभाव को दर्शाता है। संगठन ने बताया कि शिक्षक संवर्ग की रिटायरमेंट उम्र 62 के स्थान पर 65 वर्ष की जाती है तो एक तरफ अनुभवी शिक्षकों का लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा, वहीं शालाओं में शिक्षकों की कमी की पूर्ति भी हो सकेगी। वहीं विगत दो तीन वर्ष में हजारों की संख्या में शिक्षकों के रिटायरमेंट से शासन पर आने वाले वित्तीय भार से शासन को भी राहत मिल सकेगी। अन्य विभागों के शैक्षणिक संवर्ग के लोक सेवकों के बीच समानता भी रहेगी। संगठन ने मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री से शिक्षा विभाग के शिक्षक संवर्ग की रिटायरमेंट उम्र 62 के स्थान पर 65 करने की मांग की है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत शर्मा कल भोपाल मध्य विधानसभा में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकाली गई शोभा यात्रा में शामिल हुए।

मप्र सरकार ने आईएएस को दिए आईएफएस के कामकाज के मूल्यांकन के अधिकार

एससी रद्द किया आदेश- आईएएस नहीं लिखेंगे आईएफएस की मूल्यांकन रिपोर्ट

टोपर मेट्रो, भोपाल

भारतीय वन सेवा के अधिकारियों (आईएफएस) के कामकाज पर आधारित परफार्मेंस एनुअल रिपोर्ट (पीएआर) आईएएस द्वारा लिखे जाने के मप्र सरकार के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। जून 2024 में सरकार ने यह आदेश जारी किया था। तब कहा था कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक के नीचे तक के अधिकारियों की पीएआर भी आईएएस तक जाएगी। आईएफएस एसोसिएशन दिल्ली ने उक्त आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी थी। यह आदेश बुधवार को रद्द किया है।

असल में 29 जून 2024 के पहले तक आईएफएस की पीएआर को विभागीय आईएफएस मुखिया ही स्वीकार करते थे। मुखिया को लगता था कि संबंधित अधिकारी की पीएआर काम के अनुरूप कमजोर है या फिर काम ठीक नहीं है या फिर पीएआर में सबकुछ ठीक बताया गया है तो ऐसी स्थिति में मुखिया उस पर अपनी अंतिम टीप लिखते थे। इसका बकायदा चैनल बना हुआ था। लेकिन 29 जून 2024 में वन विभाग के उप सचिव किशोर कुमार कन्याल द्वारा किए गए आदेश में उक्त चैनल को बदल दिया था। नए आदेश के तहत सभी आईएफएस की पीएआर अतिरिक्त मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव के पास भेजे जाने की व्यवस्था बना दी थी, जो आईएएस के अधीन आ गई थी जिस पर आईएफएस एसोसिएशन को आपत्ति है। उल्लेखनीय है कि पीएआर के आधार पर संबंधित अधिकारी की पदोन्नति से लेकर वेतन बढ़ोतरी तक निर्धारित होती थी। यदि पीएआर खराब कर दी जाए तो सेवाकाल में कई तरह के नुकसान होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था में कर दिया था बदलाव

पीएआर लिखने का जो चैनल सरकार ने जारी किया था, वह 1996 में आए गोदावर्मन केस (केस नंबर- 202/1996) से उलट था। तब गोदावर्मन केस में कोर्ट ने कहा था कि वन विभाग के अधिकारियों की सीआर (अब पीएआर कहलाती है) विभाग के ही प्रमुख को लिखनी चाहिए। तब मप्र में आईएएस के हाथों से आईएफएस अफसरों की पीएआर लिखने के अधिकार ले लिए थे।

सीएम की अध्यक्षता में हुई राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की बैठक में मंजूरी

बैतूल में ताप्ती व बालाघाट में सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व बनेंगे

टोपर मेट्रो, भोपाल

बैतूल के ताप्ती और बालाघाट में सोनेवाली कंजर्वेशन रिजर्व बनेंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को हुई राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की बैठक में दोनों प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बड़े पैमाने पर इनमें वन्यप्राणियों व वन क्षेत्रों के संरक्षण के काम होंगे। स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। इन पर मौजूदा टाइगर रिजर्वों के कड़े नियम लागू नहीं होंगे। जैसे, आम नागरिक इनमें आसानी से प्रवेश कर सकेंगे, इसके लिए मौजूदा टाइगर रिजर्वों की तरह अनुमति नहीं लेनी होगी। इनके अंदर बसे वन ग्रामों को विस्थापित भी नहीं किया जाएगा। बोर्ड बैठक में रिजर्वों व सामान्य वन क्षेत्रों में जरूरत के अनुरूप सड़क, बिजली स्टेशन, पेयजल व्यवस्था के तहत बिछाई जाने वाली पाइप लाइनों से जुड़े कामों को मंजूरी दी गई।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में आने वाले पर्यटकों को वन्यजीव गेंडे भी देखने के लिए मिलेंगे। ये असम से लाए जाएंगे। अभी प्रदेश में गेंडे नहीं है, लेकिन प्रदेश में बाघ, चीता व तेंदुए जैसे वन्यप्राणियों की मौजूदगी है। प्रदेश इनके संरक्षण में अव्वल है। बोर्ड की बैठक में तय किया गया कि गेंडे लाने की पूर्व से जारी प्रक्रिया को रोका नहीं जाएगा। यदि असम खुले जंगल के लिए गेंडे नहीं दे रहा है तो लाए जाने वाले गेंडों को चिड़ियाघरों में ही रखा जाएगा। गेंडे लाने के बदले मप्र के दूसरे वन्यजीवों को दिया जाएगा।

देवी अहिल्या बाई व एक अन्य अभयारण्य का प्रस्ताव होल्ड

इंदौर व बडवाह के पास देवी अहिल्या बाई होल्कर व हरदा के पास डॉ. राजेंद्र प्रसाद वन्यजीव अभयारण्य बनाया जाना है। इन दोनों के प्रस्ताव बैठक में पेश किए थे लेकिन सीएम ने फिलहाल इन्हें होल्ड कर दिया है। हालांकि इन पर सहमति लगभग तय है लेकिन कानूनन रूप से इन्हें स्वीकृति नहीं मिली। सूत्रों के मुताबिक वन विभाग के अधिकारियों ने देवी अहिल्या बाई अभयारण्य को लेकर संबंधित क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों से व्यापक स्तर पर संवाद नहीं किया। जिसके कारण उन्होंने सहमति पत्र नहीं भेजे। इसी तरह डॉ. राजेंद्र प्रसाद अभयारण्य के प्रस्ताव में भी गफलत की गई। सीएम ने इन प्रस्तावों पर ठीक से मंथन करने, जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेने, उनके सुझावों को शामिल करने के बाद प्रस्ताव दोबारा रखने के निर्देश दिए।

माशिमं: दसवीं-बारहवीं की द्वितीय परीक्षा के आवेदन की तारीख बढ़ी

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल ने सत्र 2024-25 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी के विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। माशिमं ने दोनो कक्षाओं की द्वितीय परीक्षा के लिये पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की तिथि में वृद्धि की है। हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण छात्र अंक सुधार के लिये अथवा अनुत्तीर्ण छात्र उत्तीर्ण विषयों के अंक सुधार के लिये अब 25 मई 2025 रात्रि 12 बजे तक ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे। हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा में केवल अनुत्तीर्ण विषयों की द्वितीय परीक्षा के लिये 31 मई 2025 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाईन आवेदन किये जा सकेंगे।

प्रवेश कराने विभाग ने शुरू की प्रक्रिया

बीटेक में प्रवेश के लिए 27, एमटेक और एम प्लान के लिए पंजीयन 10 जून से

टोपर मेट्रो, भोपाल

मप्र प्रदेश के 142 इंजीनियरिंग कॉलेज के बीटेक, एमटेक और एम प्लान कोर्स में प्रवेश कराने को लेकर तकनीकी शिक्षा विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग को एआईसीटीई द्वारा जारी किए गए कार्यक्रम के तहत ही काउंसलिंग का आयोजन करना है।

14 अगस्त तक प्रवेश कराना है। 27 मई से बीटेक में प्रवेश कराने के लिए पंजीयन शुरू होंगे। एमटेक और एमप्लान कोर्स में प्रवेश देने के लिए 10 जून से पंजीयन शुरू होंगे। कालेजों को एआईसीटीई से मान्यता और राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबद्धता मिलने पर विभाग काउंसलिंग कराएगा।

52 ब्रांच की लगभग 62 हजार सीटें

राज्य के 142 इंजीनियरिंग कॉलेजों में 52 ब्रांच की लगभग 62 हजार सीटों पर प्रवेश कराने के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग आयोजित कराएगा। इसके लिए 27 मई से पंजीयन शुरु हो जाएंगे। हजार और एम प्लानिंग करीब 200 सीटों पर प्रवेश कराने के लिए दस जून से पंजीयन शुरु होंगे। कालेजों को तीस जून तक मान्यता लेना है। 31 जुलाई तक उन्हें आरजीपीवी से संबद्धता लेना होगी।

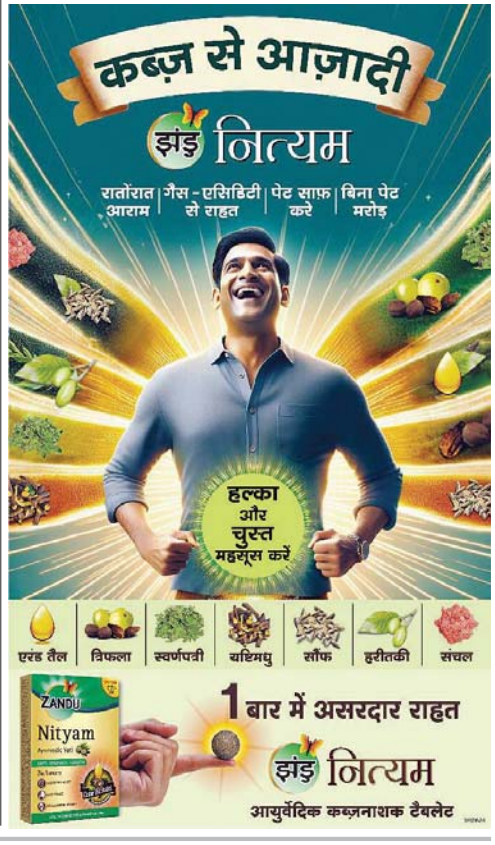

मेट्रो एंकर विजन 2047 की दिशा में मध्यप्रदेश का निर्णायक कदम

मप्र: जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट देश में अभिनव

टोपर मेट्रो, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में आत्मनिर्भर जिला विकसित मध्य प्रदेश के संकल्प को अब मूर्त-रूप देते हुए जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट तैयार की गई है। यह रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को साकार करने की दिशा में ठोस पहल है जिसके अनुसार विकसित भारत का संकल्प देश के हर जिले में लिया जाएगा। यह पहल पूरे देश में अभिनव है। योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा आज भोपाल में अटल बिहारी वाजपेई सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट 2022-23 का विमोचन किया गया।

अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ला ने कहा कि डाटा आधारित नीति निर्माण के लिए जिला स्तर पर आर्थिक आंकड़ों का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने इसे मध्यप्रदेश के विजन 2047 की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिलों को आर्थिक विकास की धुरी बनाते हुए बॉटम अप दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना है। यह रिपोर्ट राज्य के सभी जिलों की आर्थिक गतिविधियों का विश्लेषण प्रस्तुत करती है जो न केवल नीति निर्माण को डाटा आधारित बनाएगा साथ ही राज्य के विजन 2047 को जमीन पर भी उतारेगा।

रिपोर्ट के अनुसार 2022-23 में इंदौर, भोपाल, जबलपुर और उज्जैन जैसे जिलों ने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में सर्वाधिक योगदान दिया है। प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों में भी यही जिले शीर्ष पर रहे हैं।

समझौतों पर साइन

इससे पहले इंडिया फाउंडेशन और मध्यप्रदेश योजना एवं सांख्यिकी विभाग तथा राज्य नीति आयोग के बीच दो औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। यह साझेदारी भविष्य में डाटा इन्वेशन हब और रिसर्च एनालिसिस यूनिट की स्थापना की दिशा में एक ठोस पहल होगी जिससे नीति निर्माण की प्रक्रिया अधिक सशक्त, स्थानीयकृत और विश्लेषणात्मक हो सकेगी। पूर्व उपाध्यक्ष नीति आयोग एवं पहले इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री राजीव कुमार, अपर मुख्य सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला, राज्य सांख्यिकी आयोग के अध्यक्ष श्री प्रवीण श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि श्री राजीव कुमार की कार्यक्रम के पहले मुख्य सचिव के साथ औपचारिक मुलाकात और चर्चा हुई।

जिस मनुष्य में लोभ है, उसे दूसरे दुर्गुणों की क्या आवश्यकता है।

- भर्तृहरि

संपादकीय

आंकड़े, रोजगार और उपाय

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के हाल के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस का पहला मासिक बुलेटिन के मुताबिक अधिकारिक आंकड़े तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की मांग पूरी करना शुरू कर चुके हैं। कई अर्थशास्त्री और विश्लेषक कह चुके हैं कि रोजगार की वास्तविक स्थिति समझने के लिए भारत में कम समय के अंतराल पर आंकड़े जारी करने की जरूरत है। आंकड़ों के अभाव में विश्लेषक निजी स्रोतों से आंकड़ों का उपयोग कर रहे थे। इन आंकड़ों की व्यापकता एवं उन्हें हासिल करने की विधि अक्सर सवाल के घेरे में आ रहे थे। बुलेटिन में कहा गया है कि भारत में 15 वर्ष एवं उससे अधिक उम्र की आबादी की श्रेणी में बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत से ऊपर रही है। हालांकि, गणना विधि में बदलाव के कारण इसकी तुलना पुराने श्रम आंकड़ों से सीधे तौर पर नहीं की जा सकती है। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 6.5 प्रतिशत थी जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 4.5 प्रतिशत दर्ज की गई। रोजगार की स्थिति का आकलन करने के लिए सात दिन के ब्यौरे पर आधारित इन आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में श्रम भागीदारी दर 55.6 प्रतिशत थी और शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में काफी फर्क देखा गया। यह भी नजर में आया कि दोनों ही क्षेत्रों में श्रम बल में स्त्री-पुरुष अनुपात में ऊंचा अंतर लगातार बना हुआ है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने हाल में ही पीएलएफएस में कई बदलाव की घोषणा की थी जिनमें प्रमुख श्रम बाजार संकेतकों जैसे ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए श्रम भागीदारी दर और बेरोजगारी दर के मासिक अनुमान जारी होने का नया प्रावधान भी शामिल है। तिमाही सर्वेक्षण की जद में अब ग्रामीण क्षेत्र भी आएंगे और सालाना रिपोर्ट कैलेंडर वर्ष के साथ जोड़ी जाएगी। इससे आंकड़ों की तुलना अंतरराष्ट्रीय श्रम आंकड़ों से बेहतर ढंग से हो पाएगी। इन बदलावों की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी। सीमित एवं अनियमित आधिकारिक आंकड़े समय रहते एवं साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने की राह में बड़ी बाधा के रूप में देखे जा रहे थे। भारत के श्रम बाजार में तेजी से बुनियादी बदलाव हो रहे हैं। तकनीकी बदलाव और महिला श्रमिकों की बढ़ी भागीदारी की इसमें बड़ी भूमिका रही है। अन्य बदलाव में नमूने का दायरा बढ़ाना भी शामिल है। ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में रोटेशनल पैनल स्कीम की घोषणा की गई है। यूं तो मासिक पीएलएफएस की दिशा में सरकार का कदम बढ़ाना स्वागत योग्य कदम जरूर है मगर आंकड़े अब भी भारत में रोजगार की स्थिति पर लगातार सामने आ रही दिक्कतों की तरफ इशारा कर रहे हैं। उदाहरण के लिए 15 वर्ष एवं इससे अधिक उम्र वाली श्रेणी में महिला श्रम बल भागीदारी दर शहरी क्षेत्र में मात्र 25.7 प्रतिशत थी। श्रम बाजार में महिलाओं की कम भागीदारी समग्र भागीदारी दर पर काफी प्रतिकूल असर डाल रही है। भारत के शहरी क्षेत्रों में यह दर 50.7 प्रतिशत थी, जिसका आशय है कि इन क्षेत्रों में श्रम बल का आधा हिस्सा रोजगार में नहीं था और न ही रोजगार की तलाश कर रहा था। 15 से 29 वर्ष उम्र की श्रेणी में भागीदारी दर तो 41.2 प्रतिशत के साथ और भी कम है। यह बात लगातार उठती रही है कि भारत की विशाल एवं तेजी से बढ़ते श्रम बल के लिए रोजगार के सार्थक अवसर तैयार करना सबसे बड़ी नीतिगत चुनौती है। माना जा सकता है कि रोजगार की स्थिति पर नियमित रूप से आने वाले आंकड़े अर्थव्यवस्था की स्थिति बेहतर जानकारी देंगे नीतिगत उपायों को नई दिशा भी मिलेगी।

कोविड का नया वैरिएंट

कोरोना की दस्तक पर सजगता जरूरी

■ ऋतुपर्ण दवे

देश-दुनिया पर कोरोना का संकट एक बार फिर मंडरा रहा है। वैसे देश में प्रभावितों की संख्या मामूली है। 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। अभी बीते सप्ताह के ताजे आंकड़ों के अनुसार संख्या कम जरूर है लेकिन सच्चाई भी है कि मामले या तो समझ नहीं आ रहे या दर्ज नहीं हो रहे हैं।बीते सप्ताह केरल में 69, महाराष्ट्र में 44 और तमिलनाडु में 34 मामले दर्ज हुए। लेकिन शेष एशिया में जिस तरह से कोविड के मामले दर्ज हो रहे हैं, वे चिंता बढ़ाते दिख रहे हैं। हांगकांग और सिंगापुर में यह तेजी से फैल रहा है। अभी नया वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है। यह पहली बार अगस्त, 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर, 2023 में ही 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर साफ किया था कि यह ओमिक्रॉन बीए 2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एलएफ7 और एनबी1.8 की संख्या ज्यादा थी।

कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में ज्यादा असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़े हैं। अकेले सिंगापुर में मई की शुरुआत में 14,200 से ज्यादा नए मामले आए। इन जगहों पर भी जेएन1 और उसके उप-वैरिएंट ज्यादा मिल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन देशों में बढ़ते मामलों का कारण वहां लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी संभावना से इंकार नहीं है। तमिलनाडु, केरल और महाराष्ट्र में धीरे ही सही, इसका बढ़ना अच्छा संकेत नहीं है।बीते 18 मई को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रैविस हेड कोरोना संक्रमित हुए तो दूसरे ही दिन बिग बॉस फेम शिल्पा शिरोडकर भी शिकार हो गईं। इतना तो समझ आ गया है कि सिंगापुर अब नया हॉटस्पॉट बनकर उभर रहा है। सप्ताहभर में ही

देशभर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे सभी पर्याप्त इंतजाम रखें। जरा सा संदेह होने पर चिकित्सकीय परामर्श में कोताही न बरतें। अच्छा हो कि अभी से सचेत हो जाएं।

संक्रमण के मामलों में 28 फीसदी की वृद्धि चिंताजनक है। चीन से छन-छनकर जो निकल रहा है वहां भी बीते एक महीने में कोरोना मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन चीन से जितने वैरिएंट सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा।

इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वे हैं जो कोमोरबिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियां होती हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोरबिडिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वाले बुजुर्गों, कोमोरबिडिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है। मुंबई के एक अस्पताल में दो मरीजों की मौत के बाद भ्रम की स्थिति बनी है। अस्पताल ने इन्हें गंभीर बीमारियों से हुई मौत बताया जिसका कोविड-19 से कोई संबंध नहीं था। अस्पताल का कहना है कि मौतें कोविड-19 से नहीं, बल्कि हाइपोकैल्सीमिक दौरे और कैंसर के साथ नेफ्रोटिक सिंड्रोम जैसी गंभीर बीमारियों के कारण हुई हैं। लेकिन चर्चा है कि दोनों मृतकों में कोविड के लक्षण थे। लगता नहीं कि ऐसी ऊहापोह वाली स्थितियों से कोविड को लेकर फिर पहले जैसा भ्रम फैलेगा? भारत में फिर से कोरोना वायरस के मामले धीरे-धीरे बढ़ने लगे हैं।

हांगकांग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का बयान चिंताजनक है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने की संख्या अभी साल के महज पांचवें महीने में ही उच्च स्तर पर पहुंच गई है। जबकि चीन में श्वास संबंधी बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दोगुने होना चिंताजनक है। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। साथ ही चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर तेज भी हो सकती है।

साउथ-ईस्ट एशिया के हालात देखते हुए भारत भी सतर्क है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सेल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञ इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि कोविड के पुष्ट मामलों की मौजूदा संख्या 257 है। देश की आबादी के दृष्टिगत यह बहुत कम है। अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और श्वसन संक्रमण के गंभीर मामलों की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से निगरानी रख हुए है। देशभर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे सभी पर्याप्त इंतजाम रखें। जरा-सा संदेह होने पर चिकित्सकीय परामर्श में कोताही न बरतें। अच्छा हो कि अभी से सचेत हो जाएं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1805: गवर्नर जनरल लॉर्ड वेलेजली ने एक आदेश के तहत दिल्ली के मुगल बादशाह के लिए एक स्थायी प्रावधान की व्यवस्था की।
- 1972: पाकिस्तान ने राष्ट्रमंडल की सदस्यता छोड़ी।
- 1990: उत्तरी एवं दक्षिणी यमन के विलय के साथ संयुक्त यमन गणराज्य का अभ्युदय।
- 1992: बोस्निया, स्लोवेनिया और क्रोएशिया संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य बने। जैव विविधता पर अंतरराष्ट्रीय समझौता सीबीडी अपनाया गया ।
- 1996: माइकल कैमडेसस तीसरी बार अगले पांच वर्ष के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रबंध निदेशक चुने गए।
- 2001: दलाई लामा ने तिब्बत की आजादी की मांग छोड़ी।
- 2002: नेपाल संसद भंग।
- 2003: अल्जीरिया में भूकंप। 2000 से भी अधिक लोग मारे गए।
- 2007: गणितज्ञ श्रीनिवास वर्धन को नार्वे का अबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।
- 2008: संयुक्त राष्ट्र संघ की 47 सदस्यीय मानवाधिकार समिति में पाकिस्तान को शामिल किया गया।
- 1772: धार्मिक और सामाजिक विकास के क्षेत्र में सबसे अग्रणी राजा राममोहन राय का जन्म।
- 1878: अपने जीवन में कोई कुश्ती न हारने वाले गामा पहलवान का जन्म।
- 1959: जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती का जन्म।
- 1545: भारत में सूर साम्राज्य के संस्थापक शेरशाह सूरी।
- 1991: भारत के प्रारंभिक वामपंथी नेता श्रीपाद अमृत डांगे का निधन।
- 2000: प्रसिद्ध भारतीय व्यवसायी, उद्यमी और गोदरेज समूह के अध्यक्ष सोहराब फिरोजशाह गोदरेज का निधन।

आज का कार्टून

(साभार : माधव जोशी)

राजा राममोहन राय जन्म जयन्ती- 22 मई, 2025

तमस से ज्योति की ओर एक सुधारवादी यात्रा

■ ललित गर्ग

यह वह समय था जब हिन्दुस्तान एक तरफ विदेशी दासता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था वहीं दूसरी तरफ रूढ़िवाद, धार्मिक संकीर्णता, सामाजिक कुरीतियों और दमघोंटू प्रथाओं के बोझ तले दबा हुआ था। तभी एक मसीहा, समाज-सुधारक एवं क्रांतिकारी महामानव अवतरित हुआ जिसने तमाम बुराइयों को चुनौती दी और आखिरी सांस तक बदलाव के लिये क्रांतिकारी योद्धा की तरह लड़ा। ये मसीहा था राजा राममोहन राय। इन्हें देश एवं दुनिया आज भारत में सामाजिक सुधारों के अग्रदूत के तौर पर याद करती है। अपने दौर में वे 'भारतीय पुनर्जागरण के पितामह' बनकर सच्चे जीवन की लौ बनें और इस लौ का आह्वान था नये भारत का निर्माण। वे तमस से ज्योति की ओर एक बहुआयामी सुधारवादी यात्रा का उजाला थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी राय के द्वारा स्थापित 'ब्रह्म समाज', जो आधुनिक पश्चिमी विचारों से प्रभावित था, सबसे शुरुआती सुधार आंदोलन था। एक सुधारवादी विचारक के रूप में राय आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय गरिमा तथा सामाजिक समानता के सिद्धांतों में विश्वास करते थे। राय के प्रयासों से ही भारत में आधुनिक धार्मिक और सामाजिक सुधार आंदोलनों की नींव पड़ी। राय के बाद, देवेंद्रनाथ ठाकुर और केशव चंद्र सेन जैसे सुधारकों ने ब्रह्म समाज के विचारों को आगे बढ़ाया और इसे एक राष्ट्रीय आंदोलन बनाया। उन्नीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्तृत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची, वे इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। वे साहित्यस्रष्टा के साथ-साथ धर्मक्रांति एवं समाजक्रांति के सूत्रधार विराट व्यक्तित्व थे।

राजा राम मोहन राय का जन्म पश्चिम बंगाल स्थित हुगली जिले के राधानगर गांव में 22 मई 1772 को हुआ। पिता रमाकांत राय शुद्ध वैष्णव परंपरा को मानने वाले थे, वहीं माता तारिणी देवी धार्मिक विचारों की महिला थीं। पूरा परिवार कट्टर हिन्दु परंपराओं का हिमायती था लेकिन राममोहन राय को बिना तर्क किसी भी बात को स्वीकार नहीं करते थे, इसलिए जब केवल 15 साल के थे तो उन्होंने मूर्ति पूजा को लेकर सवाल खड़े कर दिये। साथ ही अन्य प्रथाओं की भी आलोचना करनी आरंभ कर दी। हिन्दू परंपराओं का विरोध करना शुद्ध वैष्णव परंपरा को मानने वाले पिता रमाकांत को नागवार गुजरी। पिता-पुत्र में गहरा मतभेद हो गया। राय को पढ़ने के लिए पटना भेज दिया गया। यहां उन्होंने बांग्ला, पारसी, अरबी, संस्कृत, हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लिया। यहां भी वो हिन्दू परंपराओं और प्रथाओं को तर्क की कसौटी पर परखते रहे और सवाल उठाते रहे। पढ़ाई पूरी करने के बाद राय ने ईस्ट इंडिया कंपनी के राजस्व विभाग में नौकरी कर ली, यहां वे कई अंग्रेजों के संपर्क में आये। उनकी सभ्यता, सोच और तौर-तरीकों को करीब से महसूस किया। उन्होंने समझ लिया कि पश्चिमी सभ्यता विकास की प्रक्रिया में काफी आगे निकल गयी है जबकि हिन्दुस्तान इसके मुकाबले सदियों पीछे जी रहा है।

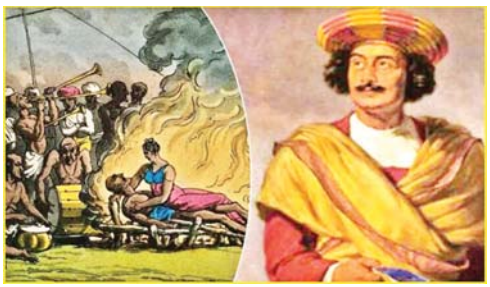

राय ने हिन्दू ग्रंथों के साथ इस्लाम एवं ईसाई धर्मों एवं ग्रंथों का भी गहराई से अध्ययन किया। उन्हें एक बात समझ आयी कि हिन्दू धर्म ग्रंथों में वो कतई नहीं लिखा है जो पोंगा पंडित, लोगों को बता रहे हैं। उन्होंने महसूस किया कि भारतीय जनमानस अपने ग्रंथों की मूलभावना से काफी अनजान है। ऐसा इसलिए था क्योंकि धर्मग्रंथ संस्कृत भाषा में लिखे गये थे और लोगों की पहुंच से दूर थे। इसलिए उन्होंने धर्मग्रंथों का हिन्दी, बांग्ला, अरबी और फारसी भाषाओं में अनुवाद किया। उन्होंने अपने अखबारों 'संवाद कौमुदी' और 'मिरात-उल-अखबार' में लेखों के जरिये आम जनमानस को जागरूक करने का प्रयास किया। राजा राममोहन राय को आधुनिक भारत का जनक माना जाता है। वे एक महान समाज सुधारक, विचारक एवं क्रांतिपुरुष थे, जिन्होंने 19वीं सदी में भारत में सामाजिक, धार्मिक और शैक्षिक सुधारों के लिए अनूठे एवं विलक्षण उपक्रम किये। उन्होंने व्यक्ति-क्रांति के साथ समाज-क्रांति करते हुए सती प्रथा, बाल विवाह और जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा दिया और महिलाओं के अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया।

राय का मानना था कि धार्मिक रूढ़िवादिताएं समाज की स्थिति को सुधारने के बजाय क्षति का कारण, परेशानी का स्रोत, सामाजिक जीवन के लिए हानिकारक और लोगों को भ्रमित करने वाली बन गई हैं। उनका यह भी मानना था कि बलिदान और अनुष्ठान लोगों के पापों की भरपाई नहीं कर सकते; यह आत्म-शुद्धि और पश्चाताप के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने धार्मिक सुधार से सामाजिक सुधार और राजनीतिक आधुनिकीकरण दोनों का सूत्रपात किया। राय अपने समय से बहुत आगे चलने एवं सोचने वाले दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। स्वतंत्रता, समानता और न्याय के सिद्धांतों के अंतर्राष्ट्रीय चरित्र के बारे में उनकी समझ ने आधुनिक युग के महत्त्व को बखूबी समझा। ये सिद्धांत वर्तमान 'न्यू इंडिया' के विचार को प्रेरित करते हैं। राय ने वर्ष 1803 में अपनी पहली पुस्तक 'तुहफ़त-उल-मुवाहिदीन' या 'गिफ्ट टू मोनोथिस्ट' प्रकाशित की, जिसमें उन्होंने एकेश्वरवाद यानी एकल ईश्वर की अवधारणा के पक्ष में तर्क दिया है। उन्होंने अपने इस तर्क में प्राचीन हिंदू ग्रंथों के एकेश्वरवाद का समर्थन करने के लिये वेदों और पाँच उपनिषदों का बंगाली में अनुवाद किया।

वर्ष 1814 में उन्होंने मूर्तिपूजा, जातिगत रूढ़िवादिता, निरर्थक अनुष्ठानों और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान चलाने के लिये कलकत्ता में आत्मीय सभा की स्थापना की। जब उनके बड़े भाई का देहांत हो गया तो परंपरा के मुताबिक गांव वालों ने पंडितों के साथ मिलकर उनकी भाभी को सती हो जाने के लिए मजबूर किया। उन्हें मृतक के साथ उसी चिता में जिंदा जला दिया गया। इस घटना से राय बहुत दुखी हुए। उन्होंने पूरे हिन्दुस्तान में ऐसी क्रूर प्रथा को धर्म के नाम पर खुलेआम होते देखा। उन्होंने वर्ष 1818 में सती-विरोधी संघर्ष शुरू किया और पवित्र ग्रंथों का हवाला देते हुए यह साबित करने का प्रयास किया कि सभी धर्म मानवता, तर्क और करुणा की बात करते है; कोई भी धर्म विधवाओं को जिंदा जलाने का समर्थन नहीं करता है। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 1829 में सरकारी विनियमन द्वारा सती प्रथा को अपराध घोषित कर दिया गया। राय सती प्रथा के अमानवीय व्यवहार के खिलाफ एक धार्मिक योद्धा थे। इससे पहले जब उनके पिता का देहांत हुआ था तब उन्होंने देखा था कि समाज विधवाओं के साथ कैसा व्यवहार करता है। विधवाओं का सिर मुंडवा दिया जाता था। उन्हें रंगहीन सफेद कपड़ा पहनना पड़ता था। उन्हें बेस्वाद खाना खाने के लिए मजबूर किया जाता था। उन्हें परिवार या समाज के सार्वजनिक आयोजनों से दूर रखा जाता था। इन दोनों बातों ने राममोहन राय को अंदर तक व्यथित किया।

राय ने ठान लिया कि वे भारतीय समाज के इन बुराइयों को दूर कर के रहेंगे। इसलिए उन्होंने सती प्रथा उन्मूलन और विधवा पुनर्विवाह कानून बनाने की मुहिम छेड़ दी। इसमें उन्हें तात्कालीन गर्वनर जनरल लार्ड विलियम बैंटिक से खूब सहायता मिली। उन्होंने जाति व्यवस्था, छुआ-छूत, अंधविश्वास और मादक द्रव्यों के इस्तेमाल के खिलाफ भी अभियान चलाया। उनके विचारों और गतिविधियों का उद्देश्य सामाजिक सुधार के माध्यम से जनता का राजनीतिक उत्थान करना था। राजा राम मोहन राय ने महसूस किया कि भारतीय युवाओं को आधुनिक शिक्षा पाने के लिए विदेशों में शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। उन्होंने इंग्लैंड भेजे जाने वाले भारतीय छात्रों का समर्थन किया और यह कहा कि पश्चिमी शिक्षा ही भारतीय समाज को आधुनिकता और प्रगति की ओर ले जा सकती है। तत्कालीन मुगल बादशाह ने उन्हें आर्थिक सहायता संबंधी किसी काम के लिए ब्रिटेन भेजा। इसी मुगल बादशाह ने उनको राजा की उपाधि भी दी।

राजा राम मोहन राय का आधुनिक शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण और उनके प्रयास भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक क्रांति लेकर आया। उनके द्वारा किए गए सुधारों ने भारतीय समाज को अंग्रेजी और आधुनिक विज्ञान की शिक्षा से जोड़ा और भारत में शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत की। राजा राममोहन राय ने भारतीय समाज में आधुनिकता, तर्कशीलता और समानता की नींव रखी। उनके कार्यों ने भारतीय समाज को प्राचीन रूढ़ियों से बाहर निकालकर आधुनिक युग की ओर अग्रसर किया। वे न केवल धार्मिक सुधारक थे, बल्कि सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक सुधारों के भी पथप्रदर्शक थे। उनके जीवन का हर पहलू समाज सुधार, धार्मिक सहिष्णुता और समानता के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

नर्मदापुरम. बुधवार शाम को तेज हवा और आंधी चलने से मंडीदीप और अब्दुल्लागंज के बीच बंसल इंजीनियरिंग कॉलेज के पास हाईवे पर लगे विद्युत के खंबे क्षतिग्रस्त हो गए. आंधी इतनीतेज रफ्तार से चली कि बिजली के खंबे आड़े हो गए और उन में लगे तार टूट कर सड़क पर बिखर गए. जिस समय यह हादसा हुआ उसे समय सड़क पर वाहनों की आवाजाही कम थी इसलिए बड़ी दुर्घटना होने से टल गई।

तेजगढ़ में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण आयोजित, बच्चे सीख रहे बारीकियां

तेंदूखेड़ा। खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश खेल युवक कल्याण विभाग द्वारा पूरे मध्य प्रदेश में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर संचालित किए जा रहे हैं उसी के अंतर्गत दमोह जिला खेल युवक कल्याण अधिकारी सैफुल्लाह खान के मार्ग निर्देशन में तेंदूखेड़ा ब्लॉक के तेजगढ़ में भी समर कैंप चल रहा है जिसमें बच्चों का खेल सीखने के प्रति विशेष उत्साह नजर आ रहा है जिसके चलते सुबह से बच्चों की भीड़ लग जाती है जिसमें बच्चे सुबह से मिडिल स्कूल तेजगढ़ प्रांगण में उपस्थित होकर व्यायाम करते हैं और उसके बाद वॉलीबॉल खेल की जोर आजमाइश शुरू हो जाती है ट्रेनर गौरी शोएब पठान ने बताया कि खेल युवा कल्याण विभाग की इस पहल से बच्चों की गर्मी की छुट्टियां सार्थक होती हैं जिससे छोटे-छोटे बच्चों को खेल की बारीकियां सीखने को मिलती है इसके अलावा बच्चों को मोबाइल से दूर रहने के लिए भी प्रेरित किया जाता है । जनपद पंचायत सदस्य हरि सींग यादव बद्दू कक्का द्वारा आज सभी बच्चों को बिस्किट्स बांटे गए ।

समर कैंप का हुआ समापन

गंजबासौदा। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में प्रायार्य एमसी शर्मा के निर्देशानुसार एवं वरिष्ठ शिक्षक अनिल दुबे के मार्गदर्शन में आयोजित समर कैंप का समापन किया गया। इसमें उत्कृष्ट विद्यालय के अतिरिक्त अन्य विद्यालयों के खिलाड़ी छात्र छात्राओं ने भी खेल, संगीत, नृत्य, गायन, चित्रकला, योग, अंग्रेजी, संस्कृत रिकर्पिंग आदि का प्रशिक्षण प्राप्त किया इस दौरान विभिन्न विधाओं में विशेषज्ञ को आमंत्रित कर बच्चों को प्रशिक्षण दिलाया गया। कैंप के समापन पर शिविर में सीखी गई गतिविधियों का छात्र छात्राओं ने शानदार डेमो प्रस्तुत किया। अंत में प्रायार्य एमसी शर्मा एवं शिक्षक अनिल दुबे ने सभी बच्चों को प्रमाणपत्र और मेडल प्रदान किए। 21 मई से निरंतर उत्कृष्ट विद्यालय के इनडोर गेम हॉल में कोच कृष्ण गोपाल जोगी और इशिका मैना के द्वारा नि:शुल्क जूडो कराते का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसमें किसी भी विद्यालय के छात्र छात्रा भाग ले सकते है।

पीएम नर्मदा कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के लॉ इंटर्न्स ने किया आसरा शिशु केंद्र का भ्रमण

नर्मदापुरम. न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह, नर्मदा उत्कृष्टता महाविद्यालय के प्रायार्य राम कुमार चौकसे , विधि विभाग की विभागाध्यक्ष अपूर्वा वर्मा, पूजा अवस्थी के निर्देशन में छात्रों ने इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत नारायण नगर स्थित आसरा शिशु केंद्र का भ्रमण किया और उन्होंने गोद लेने की प्रक्रिया, किशोर प्रणाली को समझा और बाल देखभाल से संबंधित प्रावधानों के बारे में भी जानकारी ली। सत्र के दौरान कानून के छात्र डॉ. मयंक तोमर, केशुजा सोलंकी, राशि दुबे, शिवनारायण कटारे, सौम्या गुरु, संकेत सेंगर, प्रणीता मंडल, मुस्कान कुशराम, रिंकू वर्मा, आदि उपस्थित थे।

नर्मदा तट के आसपास 5 किमी दायरे में शराब बेचना है प्रतिबंधित

नर्मदा तटों पर फल फूल रहा है अवैध शराब का कारोबार

ग्राम गुवाड़ी में ग्रामीणों ने ली अवैध शराब नहीं बेचने की शपथ

अवैध शराब नहीं बेचने की नर्मदा तट के आंवली घाट पर ली शपथ।

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नर्मदा तटों ओर उसके उसके आसपास 5 किलोमीटर के दायरे में शराब बेचना प्रतिबंधित कर दिया था परिणाम स्वरूप कई दुकानों को शहर से बाहर जाना पड़ा तो वहीं दूसरी ओर सिवनी मालवा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले नर्मदा किनारो के गांव पर जमकर अवैध शराब का कारोबार फल फूल रहा है। या यूं कहना कोई अतिशियोक्ती नहीं होगी कि क्षेत्र मे अवैध शराब का कारोबार लंबे समय से कुटीर उद्योग की तरह फल फूल रहा है जिसका जीता जागता उदाहरण सिवनी मालवा की प्रत्येक पंचायत में देखने को मिल जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों मे अवैध शराब के कारोबारी ने इस प्रकार से अपनी दुकान खोल कर रखी हैं मानो लाइसेंसी दुकान हो बाकायदा सड़क किनारे फ्रीजर और फ्रीजर में ठंडी बियर की बोतल सहित हर ब्रांड की वो शराब मिलेगी जो लाइसेंसी दुकानों पर मिलती है। इस बढ़ते अवैध शराब के कारोबार से जहां ग्रामीण क्षेत्र के मजदूर तपके के लोग इसकी लत में आ रहे हैं और आए दिन लड़ाई झगड़ा सहित कई बार खून खराबे की स्थिति बन रही है, आए दिन ग्रामीणों को अपराध की ओर ले जा रही है। वहीं छोटे-छोटे बच्चे भी इस अवैध शराब से अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

ऐसा नहीं है कि इस अवैध शराब के करोबार की शिकायत ग्रामीणों ने नहीं की हो ग्रामीणों ने कई बार इस बात की शिकायत विधायक पुलिस प्रशासन आबकारी विभाग और जिले के प्रशासनिक अधिकारियों से भी की लेकिन कोई हल नहीं निकल पाया। जो काम प्रशासन पुलिस और आबकारी विभाग नहीं कर पाया वही दारू बंदी का काम नर्मदा तट के प्रसिद्ध घाट आंवली घाट की ग्राम पंचायत गुवाड़ी के जागरुक ग्रामीणों ने कर दिखाया।

मंगलवार के दिन जागरूक ग्रामीणों ने 22 तारीख को सिवनी मालवा आ रहे प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव से इस बात की शिकायत करने का मन बनाया। लेकिन नगर के समाज सेवी दीपक पालीवाल ने मंगलवार को ग्राम के सरपंच विनोद भिलाला ग्राम पंचायत सचिव दादाजी गौशाला में गांव वालों को एकत्रित कर यह निर्णय लिया कि गांव में शराब बिकने ही नहीं दी जएगी तो गांव में शांति बनी रहेगी लड़ाई झगड़े नहीं होंगे। जिसके लिए पहले तो अवैध शराब बेचने वालों के सथ चर्चा की गई जिसमें उन्होंने शराब ना बेचने पर राजी हो गए बही गांव के युवाओं ने शपथ के साथ दारू बंदी का मोर्चा संभाल लिया। ग्राम के युवाओं ने अवैध शराब के वाहन को गांव में नहीं घुसने देने के लिए भी प्रतिबद्ध हुऐ।

शराबियों की हुड़दंग से लोगों का निकलना हुआ मुश्किल

मां नर्मदा के आंवली घाट में ग्रामणों का कहना है की शराबियों द्वारा शराब पीकर आए दिन नर्मदा परिक्रमा वासियों के साथ अभद्रता की जाती है। ऐसी ही स्थिति सिवनी मालवा की है नगर के मुख्य मार्ग बस स्टैंड के पास शराब दुकान के आसपास पत्थर पुल पर दर्जनों की संख्या में शराबियों की महफिल जमती है पत्थर फूल शाम को मयखाने में तब्दील हो जाता है। शराबियों की हुड़दंग से लोगों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है सबसे ज्यादा समस्या महिलाओं को निकलने में होती हैं। प्रशासनिक अमला पुलिस प्रशासन विधायक सांसद मंत्री सभी इसी रास्ते से निकलते हैं लेकिन इस और किसी का भी ध्यान नहीं है। आज नगर की जनता परेशान हो रही है इस बात को लेकर ना तो कोई सुनने वाला है ना कोई खाने वाला है।

सीएम के आगमन की तैयारियों का कमिश्नर, आईजी व कलेक्टर एवं एसपी ने लिया जायजा

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जिले में आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर हैं। इस संबंध में आज कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी, आईजी मिथिलेश शुक्ल, डीआईजी प्रशांत खरे, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं एसपी डॉ. गुरकरन सिंह ने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड तथा रैली रूट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्य कार्यक्रम स्थल मंडी प्रांगण में पहुंचकर तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की। कमिश्नर श्री तिवारी ने मुख्यमंत्री के आगमन एवं प्रस्थान के लिए निर्धारित स्थानों का गहन अवलोकन किया तथा हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक के मार्ग का ड्राई रन कर मार्ग व्यवस्थाओं का परीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं समय पर एवं सुनियोजित रूप से पूरी की जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में आयोजित की जाने वाली तिरंगा यात्रा की तैयारियों का भी निरीक्षण किया गया। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने कुसुम महाविद्यालय में अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को उनके जिम्मेदारियों के बारे में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी सजगता और जिम्मेदारी से करें ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की चूक या कमी की कोई संभावना न रहे।

इस दौरान विधायक सिवनी मालवा प्रेम शंकर वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत टी प्रतिक राव, अपर कलेक्टर डीके सिंह,एसडीएम श्रीमती सरोज परिहार, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रियंका भल्लवी, डिप्टी कलेक्टर जय सोलंकी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मनाई पुण्यतिथि

गंजबासौदा। स्थानीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय परिसर में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक निशंक कुमार जैन ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें बहु आयामी व्यक्तित्व का धनी बताया वरिष्ठ समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले ने उन्हें दूर संचार क्रांति का एवं पंचायती राज का जनक बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता पर जोर दिया जिला कांग्रेस कमेटी राजकुमार सेन ने उन्हें युवा हृदय सम्राट बताते हुए कहा कि उन्होंने ही सर्वप्रथम 18 वर्ष के युवाओं को मतदान का अधिकार दिलाया एवं उन्हें भारत में कंप्यूटर का जनक बताया इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रकाश मिश्रा ने संचालन किया। नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास ने आभार व्यक्त किया इस अवसर पर बीडी शर्मा, विष्णु महाराज, विनोद जैन, विनीत दांगी, ओंकार सिंह दांगी, नेतराम अहिरवार सहित अनेक कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

विश्व जैन संगठन की दिल्ली से जूनागढ़ पदयात्रा का अभय सेना ने किया स्वागत

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

विश्व जैन संगठन के बैनर तले चल रही ऐतिहासिक पदयात्रा में ब्रह्मचारी मयूर भैया के नेतृत्व में अभय सेना का 40 सदस्यीय दल मीरपुर पहुँचा और पदयात्रियों के उत्साहवर्धन हेतु मीरपुर से वागरोद चौराहा तक लगभग 12 किमी पदयात्रा में सम्मिलित हुआ। बुढ़ी बागरोद में अभय सेना के सदस्यों ने पदयात्रियों का तिलक, श्रीफल एवं पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया।

23 मार्च 2025 को विश्व जैन संगठन द्वारा दिल्ली से जूनागढ़ तक की इस विशाल पदयात्रा का शुभारंभ संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन के नेतृत्व में हुआ था। दिल्ली के बलवीर नगर से प्रारंभ हुई यात्रा गाजियाबाद, नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़, आगरा, फिरोजाबाद होते हुए शौरीपुर, बटेश्वर (भगवान नेमिनाथ की जन्मस्थली) और शौर्यपुर होकर इटावा पहुँची। उत्तर प्रदेश से आगे यह यात्रा मध्यप्रदेश में भूप के रास्ते प्रवेश कर भिंड, मेहगांव, ग्वालियर, डबरा, दतिया, झांसी, ललितपुर, बिरधा, मालथोन होते हुए सागर पहुँची। सागर से आगे यात्रा सिहोरा और राहतगढ़ होते को मीरपुर से बागरोद चौराहा पड़ावों में यह पदयात्रा गयासपुर, विदिशा, भोपाल, इंदौर, बड़नगर, झाबुआ होते हुए 1 जुलाई को भगवान नेमिनाथ की मोक्षस्थली जूनागढ़ पहुँचेगी। जहाँ 2 जुलाई को गिरनार पर्वत पर आयोजित भव्य आयोजन में लाखों की संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु उपस्थित होकर तीर्थंकर श्री नेमिनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर निर्माण लाडू भगवान के समक्ष अर्पित करेंगे।

नर्मदापुरम. बुधवार को अनंत स्पिनिंग मिल्स मंडीदीप में मृत्युंजय हॉस्पिटल द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया. जिसमें हड्डी रोग स्पेशलिस्ट स्त्री रोग स्पेशलिस्ट. शिशु रोग स्पेशलिस्ट, त्वचा रोग स्पेशलिस्ट, क्रिटिकल सर्जरी स्पेशलिस्ट, मेडिसिन स्पेशलिस्ट सहित अनुभवी चिकित्सकों ने मरीजों की जांच पड़ताल कर उन्हें दवाई दी गई एवं गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को दवा के साथ उचित परामर्श लेकर उन्हें नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहने एवं समय पर दवाएं लेते रहने की आत्मीयता से सलाह दी गई.

मेट्रो एंकर जिले में राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन के अंतर्गत नेशनल सिकल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत स्क्रीनिंग कार्यक्रम आयोजित

28 सिकल सेल प्रभावितों का हुआ पीसीवी 13 डोज टीकाकरण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन के अंतर्गत नेशनल सिकल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047 के तहत स्क्रीनिंग किए गए हितग्राहियों में से चिन्हित पाए गए सिकल सेल रोगियों को गंभीर इंफेक्शन से बचाने के लिए पीसीवी 13 वैक्सीन दिया जा रहा है।

जिले के आदिवासी ब्लॉक केसला में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के दिशा निर्देश में तथा सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार के मार्गदर्शन में बुधवार 21 मई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुखतवा में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ आरके वर्मा, सीचीएमो डॉ आर एस मीणा, सतीश पटेल, गजराज सिंह चौहान, मुकेश व्यास सहित स्टाफ उपस्थिति में 28 सिकल सेल एनीमिया प्रभावितों का टीकाकरण कार्य किया गया।

सिकल सेल रोगियों हेतु दो प्रकार के वैक्सीनेशन पीसीवी 13 एवं पीपीएसवी 23 दिए जाते हैं।

इसमें 2 वर्ष से कम आयु के मरीजों को पीसीवी 13 डोज दिए जाने के 8 हफ्ते के पश्चात पीपीएसवी 23 वैक्सीन दी जाती है, जबकि 2 वर्ष से अधिक आयु वर्ग को पीसीवी 13 वैक्सीन का एक डोज दिया जाता है। टीकाकरण तिथि के पश्चात प्रत्येक 5 वर्ष में बूस्टर डोज पीपीएसवी 23 का डोज दिया जाएगा।

सिकल सेल एनीमिया एक आनुवंशिक बीमारी है जो बच्चों में पैदा होती है। इसमें लाल रक्त कोशिकाएं सिकल के आकार की हो जाती हैं, जिससे ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रभावित होती है। इससे शरीर के विभिन्न अंगों को नुकसान होता है और संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। टीकाकरण से उन्हें निमोनिया, मेनिन्जाइटिस, और अन्य संक्रमणों से बचाया जा सकता है।

टीकाकरण का महत्व

सिकल सेल एनीमिया से प्रभावित लोगों को संक्रमण से बचाने के लिए टीकाकरण बहुत महत्वपूर्ण है। सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित लोगों का रोग प्रतिरोधक तंत्र कमजोर होता है, इसलिए उन्हें सामान्य लोगों की तुलना में संक्रमण का खतरा अधिक होता है। टीकाकरण से उन्हें निमोनिया, मेनिन्जाइटिस, और अन्य संक्रमणों से बचाया जा सकता है।

सिकल सेल एनीमिया के लिए विशिष्ट टीके-निमोनिया के खिलाफ टीके, मेनिन्जाइटिस के खिलाफ टीके, हेपेटाइटिस बी के खिलाफ टीके, हर साल फ्लू का टीका. दिया जाता है

टीकाकरण के लाभ

संक्रमण से बचाव, अंगों को नुकसान से बचाव, जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

चोरों का कमाल , सोते रहे घरवाले, इधर सोना चांदी एवं 5 हजार के साथ ले गए बैग

सिरोंज। नगर थाना अंतर्गत ग्राम पामाखेड़ी में मंगलवार बुधवार की रात्रि में चोरों ने बड़ी सफाई से चोरों ने अपने कारनामे को अंजाम देते हुए जिस घर के कमरे में घरवाले सो रहे थे उनके पास में पुराने जिसमें सोने, चांदी के आभूषण और 5000 नगदी का बैग रखा हुआ था उनको लेकर चोर गायब हो गए और किसी को कोई भनक नहीं लगी सुबह जब देखा तो घर से बैग लापता था आस-पास तलाश कि पूरे घर में कहीं नहीं मिलने पर। फरियादी पवन मिश्रा ने थाने में पहुंचकर घर पर चोरी होने की रिपोर्ट थाने में दर्ज करवाई पुलिस ने अज्ञात चोरों पर चोरी का मामला दर्ज करके मामले में खोजबीन प्रारंभ कर दी है।

फरार आरोपी की सूचना देने पर नगद इनाम की घोषणा

सिरोंज। विदिशा पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के द्वारा एक प्रकरण में फरार आरोपी की सूचना देने वालो को तीन हजार रूपए नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस अधीक्षक काशवानी के द्वारा जारी इनाम उद्घोषणा आदेश में उल्लेख है कि थाना गुलाबगंज के दर्ज अपराध क्रमांक 66/2025 का फरार आरोपी कमल कुमार बगवैया मंडी सचिव, कृषि उपज मंडी गुलाबगंज जिला विदिशा की सूचना देने वाले को तीन हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की घोषणा की है।

पेपर कंटिग कार्यवाही का प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निर्देश

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा अखबारो में प्रकाशित खबरो को संज्ञान में लेते हुए संभावित विभागो को पेपर कटिंग उपलब्ध कराई जा रही है और उन्हें समयावधि में पालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निर्देश

प्रसारित किए गए है। संयुक्त कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्रीमती शशि मिश्रा ने बताया कि विभिन्न विभागो में कुल 62 पेपर कटिंग के प्रतिवेदन अभी तक प्राप्त नहीं हुए है सूची में दर्शित विभागो के जिलाधिकारियों को ततसंबंध में पत्राचार कर उन्हें निर्देशित किया गया है कि ई आफिस के माध्यम से प्रतिवेदन अविलम्ब भिजवाना सुनिश्चित करें ताकि आगामी लंबित की समीक्षा (टीएल) बैठक में कार्यवाही की समीक्षा की जा सके। यदि किसी विभाग के अधिकारी को पेपर कटिंग अथवा सूची प्राप्त नहीं हुई है तो कलेक्ट्रेट अधीक्षक कक्ष से प्राप्त की जा सकती है। वैसे गौरतलब हो कि संबंधित विभागो के अधिकारियों को वाटसएप नम्बर पर तथा उल्लेखित ईमेल आईडी पर सूची प्रेषित की गई है।

दबंगई बीच सड़क पर डाला मटेरियल , रोहिल पूरा हाई स्कूल मार्ग कर दिया बंद

सिरोंज। आम जनता की सुविधा के लिए बनाए जा रहा है मार्गों पर भी दबंगई देखने को मिल रही है लाखों करोड़ों खर्च होने के बाद लोगों को इसका फायदा नहीं मिल पा रहा है । बीच रास्ते में सामान डालकर सड़क को ही बंद कर दी है। इसकी तस्वीर सामने आई है जिसमें रोहिल पूरा से हाई स्कूल जाने रास्ते पर पक्की सड़क पर कोपरे का ढेर लगा लिया है इसकी वजह से है रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया है। कई दिनों से इसी तरह मटेरियल पड़ा हुआ है इसको हटवाने का काम भी नगर पालिका प्रशासन ने लेकर जिम्मेदार नहीं कर रहे हैं। उनकी अनदेखी के कारण आम जनता को जरूर कठिनाइयां का सामना करना करना पड़ रहा है। अपने घरों तक पहुंचने के लिए इनको लंबा चक्कर लगाना पड़ा रहा है ।कई वाहन चालकों को रास्ता बंद होने की जानकारी नहीं है वह अपने वाहन लेकर यहां आ रहे हैं सड़क पर मटेरियल देखकर वापस लौटना पड़ रहा है इसमें भी इनका समय और पैसा बर्बाद हो रहा है । वहीं देखना है कि प्रशासन इस तरह से रास्ता बंद करने वालों पर कार्रवाई कर पाएगा या नहीं।

उन्नत कृषि तकनीक संगोष्ठी संपन्न हुई

इफको किसानों की संस्था, हमेशा नए उन्नत उपकरण, बीज एवं खाद उपलब्ध कराने के लिए दृढ़ संकल्पित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कृषि एवं सहकारिता विभाग के सहयोग से सहकारी संस्था इफको द्वारा उन्नत कृषि तकनीक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रबंध संचालक मार्कफेड भोपाल आलोक कुमार सिंह (आईएएस) ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए किसानों को बताया की उत्पादन एवं विपणन में सहकारिता के द्वारा अपने कृषि उत्पादन का लेनदेन किया जाना चाहिए। पंजीयक सहकारी संस्थाएं मध्य प्रदेश मनोज पुष्प (आईएएस) ने सहकारी समितियों को आ रही समस्याओं के तुरंत निराकरण हेतु अपनी प्रतिबद्धता की बात करते हुए हर संभव सहयोग करने की बात कही। उन्होंने मृदा परीक्षण हेतु सहकारी समितियों को कृषि विभाग के साथ मिलकर किसानों के लिए कार्य करने हेतु निर्देशित किया। कार्यक्रम में मार्केटिंग डायरेक्टर, इफको एवं अध्यक्ष भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड नई दिल्ली डॉ. योगेंद्र कुमार ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2021 में भारत शासन द्वारा अलग से सहकारिता मंत्रालय बनाया गया और केन्द्र सरकार की मंशा अनुरूप भारत में तीन नई सहकारी संस्थाएं- बीज, निर्यात एवं जैविक क्षेत्र में गठन कराया गया। उन्होंने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं और इफको किसानों की संस्था है और हमेशा किसानों को नई-नई उन्नत उपकरण, बीज एवं खाद उपलब्ध कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने मृदा में घटते जीवांश अंश पर चिंता जताई एवं किसानों को नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी, नैनो जिंक, नैनो कॉपर, सागरिका एवं जैव उर्वरकों का अधिक से अधिक उपयोग करने की सलाह दी। जिससे मिट्टी और पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के साथ ही खेती में लागत को कम किया जा सके, साथ ही गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पाद प्राप्त हो सके। जिला पंचायत सीईओ ओम प्रकाश सनोडिया ने कहा कि सहकारिता एवं ग्राम पंचायत की मूल भावना ग्राम के विकास एवं किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान करना है। राज्य विपणन प्रबंधक इफको डॉ. डी के सोलंकी ने किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, एसडीएम शितिज शर्मा, मंडल प्रबंधक मरकफेड भोपाल अजय सिंह, उपसंचालक कृषि केएस खपेड़िया, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक विदिशा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय प्रकाश सिंह, उपायुक्त सहकारिता प्रेम सिंह बरोटिया, जिला विपणन अधिकारी कल्याण सिंह ठाकुर, जिला खाद्य अधिकारी श्री अनिल तंतुवाई, जिला जनसंपर्क अधिकारी बीडी अहिरवाल सहायक कृषि अधिकारी महेंद्र कुमार ठाकुर, जनप्रतिनिधि अंशुल शर्मा सेऊ, सहित जिले के कृषि विभाग के अधिकारी, सहकारिता विभाग के अधिकारी, सभी समिति प्रबंधक एवं प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। विदिशा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय प्रकाश सिंह एवं उनके प्रबंधन को उपार्जन एवं उर्वरक वितरण में बेहतर कार्य निष्पादन हेतु उन्होने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषक ब्रजकिशोर राठी, अशोक अग्रवाल, थान सिंह यादव, मनु शर्मा एवं आशुतोष शर्मा ने भी अपने अनुभव सांझा किए। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय अधिकारी इफको कुमार मनेन्द्र के द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन उप संचालक कृषि केएस खपेड़िया के द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में 400 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

देश की आन बान सेना के शौर्य सम्मान में तिरंगामय हुआ शहर सभी धर्मों के लोगों ने निकाली तिरंगा यात्रा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

तीनों सेनाओं के सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर में अपना जौहर दिखाते हुए पाकिस्तान को धूल चाटने का कार्य किया उनके इस कर्तव्य को सम्मान देने के लिए देशवासी भी उत्साहित है उसका नजर नगर में भी देखने को मिला बुधवार को निकल गई भव्य तिरंगा यात्रा में चारों तरफ जन समूह दिखाई दे रहा था रैली में देश की आन बान शान तिरंगा लेकर लोग लहराते हुए चल रहे थे वंदे मातरम भारत माता की जय से पूरा शहर गूंज रहा था देश की सेनाओं के वीर सैनिकों के सम्मान एवं पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर नागरिकों ने मिलकर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। देशभक्ति,अमन,भाईचार ा और सद्भावना का संदेश देते निकली यात्रा में हजारों की संख्या में सभी धर्म के लोग शामिल बड़ी संख्या में महिलाओं मौजूद थी बच्चे ,बूढ़े युवक हाथों में तिरंगा थामकर देशभक्ति के नारे लगाकर भारतीय सेना की जय जयकार करते दिखाई दिए।

तिरंगा यात्रा की अगुआई सबसे आगे सम्मान के साथ जीप में भूतपूर्व सैनिक कर रहे थे। इनके पीछे में जीप में मातृशक्ति के रूप में सभी समाज वर्ग की प्रमुख महिलाएं नेतृत्व कर रही थी। इसके बाद कतारबद्ध होकर चल रही महिलाओं का विशाल समूह और उसके पीछे उत्साह में तिरंगा लिए हुए विधायक उमाकांत शर्मा भी पैदल नागरिकों के साथ भारत माता के जयकारे करते हुए चल रहे थे। तिरंगा यात्रा शाम करीब चार बजे से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से प्रारम्भ हुई। पूर्व में यात्रा का समापन के लिए पुराने बस स्टैंड स्थित अंबेडकर चौक का स्थान तय किया गया था परन्तु तिरंगा यात्रा में संख्या अधिक होने से इस यात्रा का समापन नवीन बस स्टैंड पर तात्या टोपे की प्रतिमा के समक्ष यात्रा समापन हुआ यहां पर विधायक उमाकांत शर्मा ने सभी समाजों के धर्म गुरुओं, तथा रिटायर्ड सैनिकों सहित बड़ी संख्या में शामिल हुई माता बहिनों एवं नागरिकों का आभार भी व्यक्त किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, रमेश यादव , डॉ संजीव माथुर, डॉ वसीम खान, एडवाकेट शोएब खान, शिक्षक इकबाल कुरैशी, स्पोर्टस शिक्षक शान मियां, हर्षल चौधरी, एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ,सीएमओ रामप्रकाश साहू, बीआरस ओमप्रकाश रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि , अधिकारी कर्मचारी तथा आसपास के क्षेत्र से जनता जनार्दन सम्मिलित हुई ।

अवैध रूप से उत्खनन करते हुए, एसडीएम ने पकड़ी दो जेसीबी तीन ट्रैक्टर ट्राली, मनरेगा के नाम पर भ्रष्टाचार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मनरेगा योजना के तहत अधिकांश ग्राम पंचायत में मजदूरों की जगह पर मशीनों से कार्य करवा करके खुलेआम भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है जिम्मेदारी अधिकारी आंखें बंद करके तमाशा देख रहे हैं। ग्राम पंचायत बड़ौदा ताल के नरखेड़ गांव में बड़ी जेसीबी मशीन तथा ट्रैक्टर ट्रालियों से अवैध रूप से उत्खनन करके इस काम को किया जा रहा है पकड़े जाने पर कई तरह के बहाने भी बनाए जा रहे हैं ।

वहीं सूचना के बाद एसडीएम हर्षल चौधरी ने अवैध रूप से उत्खनन करते हुए एक बड़ी जेसीबी मशीन और दो ट्रैक्टर ट्रालियों को खनन करते हुए पकड़ा जिस जगह पर खुदाई की जा रही थी उसकी भी कोई अनुमति इनके पास नहीं मिली वाहन चालकों से रॉयल्टी के दस्तावेज मांगे तो नहीं मिलने पर इनको भी जप्त करने का काम नायाब तहसीलदार जगदीश प्रजापति ने करते हुए पथरिया पुलिस की सुप्रगी में दी इसी तरह बरेड गांव से भी एक बड़ी जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर ट्राली को अवैध रूप से उत्खनन करते हुए पकड़ा है इनके खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रकरण बनाकर एसडीएम के द्वारा कलेक्टर को भेजा जाएगा जहां से उनके खिलाफ जुर्माना लगाने की कार्रवाई हुई होगी दूसरी और खनिज विभाग से खुदाई क्षेत्र की नापती करवाई जाएगी इस कार्रवाई के बाद अवैध रूप से इस गोरखा धंधे को चलाने वालों की जरूर नींद उड़ गई है। जानकारी के अनुसार

ज्यादातर पंचायतों के द्वारा मनरेगा योजना में मजदूरों से काम करवाने की जगह पर मशीनों से करवाने का कार्य किया जा रहा है। एसडीएम ने जो मशीन ट्रैक्टर ट्राली पकड़ी है उनसे भी मनरेगा का ही काम हो रहा था। सरकार के द्वारा मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए योजना लागू की है पर इसका उल्टा उपयोग हो रहा है। खेत तालाब ,छोटे-छोटे स्टाप डेम डाबरी से लेकर कुआं खोजने के लिए खुलेआम मशीनों उपयोग हो रहा है मजदूरों के नाम पर राशि आवश्यक रूप से निकाल रही है जबकि धरातल पर काम मशीनों से हो रहा है।

मेट्रो एंकर रोजगार की पढ़ाई चले आईटीआई

आईटीआई चले अभियान, कार्यशाला का आयोजन कर आईटीआई प्रवेश की जानकारी दी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा आईटीआई चलें अभियान अंतर्गत प्रवेश 2025 की जानकारी प्रदान करने हेतु सक्सेस प्वाइंट कोचिंग इंस्टीट्यूट विदिशा एवं अमेरिकन इंग्लिश इंस्टीट्यूट में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संस्था के प्रशिक्षण अधिकारी श्री तनवीर खान एवं सुश्री सुषमारानी जोहरे द्वारा आईटीआई में संचालित विभिन्न ट्रेड एवं प्रवेश से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। उनके द्वारा छात्रों को आईटीआई उपरांत उपलब्ध नियोजन के अवसरों से भी अवगत कराया गया। प्रदेश की समस्त आईटीआई में प्रथम चरण में प्रवेश पंजीयन हेतु पोर्टल 31 मई 2025 तक खुला है।

इच्छुक आवेदक विभाग की वेबसाइट पर जाकर पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु शासकीय आईटीआई विदिशा के हेल्पडेस्क पर संपर्क कर सकते हैं।

रोजगार की पढ़ाई चले आईटीआई॰ आईटीआई चले अभियान, 31 मे तक करें आवेदन -

प्रदेश की समस्त आईटीआई में प्रथम चरण में प्रवेश पंजीयन हेतु पोर्टल दिनांक 31 मई 2025 तक खुला है। इच्छुक आवेदक विभाग की वेबसाइट पर जाकर पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु शासकीय आईटीआई विदिशा के हेल्पडेस्क पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रवेश संबंधी जानकारी देने के उद्देश्य से आज बुधवार को शासकीय आईटीआई गंजबासौदा के प्रशिक्षण अधिकारियों द्वारा एकीकृत शा. कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शा. उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गंजबासौदा में कार्यशाला का आयोजन किया। संस्था के प्रशिक्षण अधिकारी श्री साहेबलाल गुप्ता, सुश्री पूनम रौतेल एवं सुश्री ज्योत्सना प्रजापति द्वारा आईटीआई में संचालित विभिन्न ट्रेड एवं प्रवेश से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। उनके द्वारा छात्रों को आईटीआई उपरांत उपलब्ध नियोजन के अवसरों से भी अवगत कराया गया।

चेन्नई के कोच फ्लेमिंग बोले

हम सबसे नीचे रहने के ही हकदार थे

नई दिल्ली। आईपीएल के इस सत्र में टीम के शर्मनाक प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि वे तालिका में सबसे नीचे रहने के ही हकदार थे लेकिन उन्होंने 'दमदार योजनाओं' के साथ लौटने का वादा किया । आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक पांच बार की चैम्पियन चेन्नई को मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स ने छह विकेट से हराया जिसके बाद उसका आखिरी स्थान पर रहना तय लग रहा है ।

फ्लेमिंग ने कहा , हम नीचे रहना पसंद नहीं करते । हम अच्छा खेलना चाहते थे । हमारा लक्ष्य आखिरी दो मैचों में बेहतर प्रदर्शन था । लेकिन अब एक ही रह गया है । शायद हम इस बार सबसे नीचे रहने के ही हकदार थे क्योंकि हमने ऐसी ही क्रिकेट खेली है । इससे बचा नहीं जा सकता । उन्होंने कहा कि आगे की रणनीति उन्हें पता है और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों की विफलता ने उनके अभियान को ढर्रे से उतार दिया ।

उन्होंने कहा , हमें अपनी टीम को ढर्रे पर लाना होगा । हमारे पास अगले साल के लिये मजबूत रणनीति है लिहाजा सभी पहलुओं पर काम किया जायेगा । इस साल शीर्षक्रम से अच्छे रन नहीं मिलने के कारण ऐसा हो नहीं पाया। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा , बहुत सारे बल्लेबाजी क्रम अच्छी शुरूआत पर निर्भर करते हैं जो हमें नहीं मिल सकी । हमने टुकड़ों में ही अच्छा खेल दिखाया । तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज ने अच्छा प्रदर्शन किया है और इंग्लैंड दौरे पर भारत ए टीम में भी उनका चयन हुआ है । फ्लेमिंग ने कहा , उसकी रफ्तार 138 . 139 के

विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता पेशेवर मुक्कबाज बनीं

नई दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज सिमरनजीत कौर पेशेवर बनने वाले भारतीय मुक्केबाजों की श्रेणी में शामिल हो गई हैं। एशियाई चैंपियनशिप की दो बार की पदक विजेता 29 साल की सिमरनजीत ने तोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने पूर्व अमेरिकी पेशेवर मुक्केबाज रॉय जोन्स जूनियर और भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा से अनुबंध करके पेशेवर मुक्केबाजी से जुड़ने का फैसला किया।

मार्च में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के 65 किग्रा वर्ग में उप विजेता रहीं सिमरनजीत इस साल पेशेवर बनने वाली तीसरी भारतीय मुक्केबाज है। इससे पहले विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता निशांत देव और अमित पंघाल पेशेवर सिर्किट से जुड़ चुके हैं। इससे पहले 2008 ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता विजेंदर सिंह, विकास कृष्ण, सरिता देवी और नीरज गोयत भी पेशेवर बन चुके हैं।

मलेशिया मास्टर्स 2025: प्रणय, करुणाकरण अगले दौर में पहुंचे

दो बार की ओलंपिक चैंपियन सिंधु बाहर वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह ने हराया

कुआलालंपुर , एजेंसी

दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मलेशिया मास्टर्स 2025 से बाहर हो गई हैं। वहीं, एचएस प्रणय और सतीश करुणाकरण ने शानदार जीत दर्ज करते हुए मेंस सिंगल्स के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। मलेशिया के कुआलालंपुर में खेले जा रहे टूर्नामेंट के पहले दौर में भारतीय शटलर प्रणय ने जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो को एक घंटे 22 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21 21-17 21-16 से हराया। सिंधु का खराब फॉर्म जारी करुणाकरण ने चीनी ताइपे के तीसरी सीड चोउ टिएन चेन को सिर्फ 39 मिनट में 21-13 21-14 से हराकर उलटफेर किया। भारत के मेंस शटलरों के लिए यह अच्छा दिन रहा क्योंकि आयुष शेट्टी भी कनाडा के ब्रायन यांग को 20-22, 21-10, 21-8 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। लेकिन, सिंधु का खराब फॉर्म जारी रहा और वह सुपर 500 टूर्नामेंट की शुरूआती बाधा को पार करने में विफल रहीं और वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह से 11-21, 21-14, 15-21 से हार गईं।गुयेन थुई लिन्ह ने सिंधु को 21-11, 14-21, 21-15 से हराया।

सिंधु ने दो बार जीता है मलेशिया मास्टर्स का खिताब

मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट 2009 से खेला जा रहा है। यह एक एनुअल बैडमिंटन टूर्नामेंट है। पीवी सिंधु मलेशिया मास्टर्स में सबसे सफल भारतीय खिलाड़ी है। उन्होंने दो बार विमेंस सिंगल्स का खिताब जीता है। साइना नेहवाल ने एक बार जीता है। वहीं, मेंस सिंगल्स में एसएच प्रणय ने एक बार 2023 में यह टाइटल जीता है।

आज आईपीएल में, प्रतिष्ठा के लिये खेलेगा लखनऊ

गुजरात टाइटंस की नजरें शीर्ष दो में रहने पर, प्लेऑफ में जगह कर चुकी है पक्का

अहमदाबाद, एजेंसी

पूर्व चैम्पियन गुजरात टाइटंस इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में गुरुवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स से खेलेगी तो उसका इरादा जीत की लय को कायम रखते हुए शीर्ष दो में जगह पक्की करने का होगा । अब तक 12 मैचों में 18 अंक ले चुकी टाइटंस प्लेआफ में जगह बना चुकी है । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और पंजाब किंग्स के 17 अंक हैं और शीर्ष दो के लिये मुकाबला रोचक है। गुजरात ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। उसके शीर्षक्रम के तीनों बल्लेबाज आरेंज कैपधारी बी साइ सुदर्शन (617 रन), कप्तान शुभमन गिल (601) और जोस बटलर (500) शानदार फॉर्म में है और अधिकांश मैचों में टीम की जीत के सूत्रधार रहे हैं।

तीनों मिलकर 16 अर्धशतक और एक शतक जमा चुके हैं । उनके इस प्रदर्शन के चलते मध्यक्रम को ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ी है । गुजरात के गेंदबाजों ने भी अनुशासित प्रदर्शन किया है । भारत के प्रसिद्ध कृष्णा सर्वाधिक 21 विकेट ले चुके हैं जबकि मोहम्मद

सिराज और बी साइ किशोर को 15 . 15 विकेट मिले हैं । दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा प्रतिबंधित दवा के इस्तेमाल के बाद निलंबन पूरा करके वापिस आ चुके हैं ।

दूसरी ओर सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद से हारने के बाद लखनऊ की प्लेआफ की रही सही उम्मीदें भी ध्वस्त हो गई । ऋषभ पंत की कप्तानी वाली टीम लगातार चार मैच हार चुकी है और पूरे टूर्नामेंट में प्रदर्शन में निरंतरता के अभाव और चोटों से जूझती रही । बल्लेबाजी में टीम विदेशी खिलाड़ियों मिचेल मार्श, एडेन माक्ररम और निकोलस पूरन पर निर्भर करती आई है । पंत पूरे सत्र में नहीं चल सके और मध्यक्रम की नाकामी ने लखनऊ की परेशानी बढा दी । प्रमुख गेंदबाजों की चोटों ने उसका काम और मुश्किल कर दिया ।

बायें हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान पूरे सत्र से बाहर रहे जबकि तेज गेंदबाज मयंक यादव भी नहीं खेल पाये । आवेश खान और आकाश दीप फिटनेस समस्या से जूझते रहे । पंत ने पिछले मैच के बाद कहा था , यह हमारा सर्वश्रेष्ठ सत्र हो सकता था लेकिन चोटों के कारण हमारे प्रदर्शन पर असर पड़ा । हमने इसके बारे में बात नहीं करने का फैसला किया था लेकिन उन कमियों को पूरा करना मुश्किल हो गया था । इस

दोनों टीमें इस प्रकार

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, शेरफेन रदरफोर्ड, निशांत सिद्धू, महिपाल लोमरोर, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद अरशद खान, आर साई किशोर, जयंत यादव, करीम जनत, बी साई सुदर्शन, दासुन शनाका, शाहरुख खान, मोहम्मद सिराज, प्रिसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गेराल्ड कोएट्जी, गुरनूर सिह बरार, इशांत शर्मा, कुलवंत खेजरोलिया, राहुल तेवतिया और राशिद खान।

लखनऊ सुपरजाइंट्स: ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश सिंह राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्जके, हिम्मत सिंह, शमरा जोसेफ, मणिमारन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिह, अर्शिन कुलकर्णी।

20 सीरीज के लिए पाक टीम का ऐलान

बाबर, रिजवान-शाहीन बाहर फरहान, हसन, अयूब की टीम में वापसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली टी-20 सीरीज के लिए 16 मेंबर्स के स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। इसमें पूर्व कप्तान बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह आफरीदी को जगह नहीं मिली है। बल्लेबाज सलमान अली आगा कप्तान बने रहेंगे, जबकि ऑलराउंडर शादाब खान उपकप्तान होंगे। यह सीरीज हेड कोच माइक हेसन के कार्यकाल में पहली सीरीज होगी। कउउ के मुताबिक, आने वाले दिनों में सीरीज के शेड्यूल की घोषणा की जाएगी। फरहान को शानदार प्रदर्शन का ईनाम मिला बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को मौजूदा ढरछ 2025 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए ईनाम मिला है और टीम में वापस बुलाया गया है। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच पिछले साल दिसंबर में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेला था। हसन अली और सैम अयूब की टीम में वापसी हुई है।

टी-20 सीरीज पाकिस्तान टीम सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद वसीम जूनियर, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

कान में ऐश्वर्या के साड़ी वाले लुक से प्रभावित हुईं अभिनेत्री मिनी माथुर, बोलीं- 'हर बार आप'

78वें कान फिल्म फेस्टिवल का शानदार आयोजन हो रहा है, जिसमें दिग्गज सितारे शिरकत कर रहे हैं। इसमें भारतीय कलाकारों ने भी शानदार उपस्तिथि दर्ज कराई। अब इस कड़ी में अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने भी कान समारोह के रेड कॉर्पेट पर जलवा बिखेरा। एक्ट्रेस के साड़ी वाले पारंपरिक लुक ने सभी को हैरान किया। उन्हें देख अभिनेत्री मिनी माथुर भी प्रभावित हुईं और उन्होंने प्रतिस्रि5 या भी दी है। आइए जानते हैं मिनी ने क्या कहा। कान फिल्म फेस्टिवल में बीते दिन बुधवार को अभिनेत्री ऐश्वर्या राय कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुईं, जिसका एक वीडियो डाइट सब्या ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसके कमेंट सेक्शन में अभिनेत्री मिनी माथुर ने ऐश्वर्या के लुक पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'उन्होंने यह सही किया। हर बार अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कपड़ों की क्षमता दिखाने का मतलब नहीं होता। कभी-कभी यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इस समय कौन हैं, इस कारण थोड़ा सरल-सहज रहें।' इस बार कान में ऐश्वर्या व्हाइट साड़ी में रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरती नजर आईं। साड़ी पर पारंपरिक भारतीय आभूषणों की सजावट की गई थी। इसके अलावा उन्होंने सिंदूर के साथ अपना लुक कंप्लीट किया। इस दौरान उन्होंने नमस्ते कहकर वहां उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। साथ ही आपको बताते चलें कि ऐश्वर्या राय बच्चन साल 2002 में पहली बार कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुई थीं।

धूप में नहाते हुए आलिया भट्ट ने बनाया पाउट, फैंस बोले- बहुत ही खूबसूरत बच्ची

आलिया भट्ट सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह यहां अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती हैं। हाल ही में आलिया ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। आलिया भट्ट गर्मी से बचने के लिए पूल में उतरी हैं। बुधवार को, अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर भीषण गर्मी के बीच पूल टाइम की तस्वीरें शेयर की हैं। बेबी-पिंक स्विमसूट में धूप में पोज देते हुए आलिया भट्ट बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उनके फैंस उनकी सेल्फी को देखकर खुद को रोक नहीं पाए।

आलिया ने पोस्ट कीं तस्वीरें- आलिया भट्ट ने अपनी पोस्ट पर कैप्शन दिया थोड़ा स्विम - थोड़ा खुद का ख्याल। आलिया ने डार्क सर्कल्स से बचने के लिए हीलिंग आई मास्क पहना था और अपना सिर आसमान की ओर करके अपनी आंखें बंद कर ली थीं। एक दूसरे फोटो में उन्होंने अपने फ्रंट कैमरे के लिए पोज देते हुए एक पाउट बनाया।

आलिया की तस्वीर को यूजर्स कर रहे पसंद- आलिया भट्ट की तस्वीरों पर कई यूजर्स ने कमेंट किया। एक व्यक्ति ने लिखा सुंदर बच्ची। एक दूसरे यूजर ने लिखा वास्तव में एक बच्ची। एक अन्य ने लिखा मेरी धूप की याद आ रही है। एक फैन ने लिखा मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं। एक और फैन ने लिखा है त्वचा की देखभाल और तैराकी भी, बहुत अच्छी गर्मी है।

आलिया ने लिखा था भावुक पोस्ट

हाल ही में भारत पाकिस्तान विवाद पर आलिया भट्ट ने एक भावुक पोस्ट लिखा था। उन्होंने लिखा था पिछली कुछ रातें अलग-अलग तरह की रही हैं। जब कोई राष्ट्र अपनी सांसें थामे रहता है, तो हवा में एक तरह की शांति होती है। पिछले कुछ दिनों में हमने उस शांति को महसूस किया है, जिसमें शांत चिंता और तनाव रहा। यह हर बातचीत के पीछे, हर समाचार के पीछे, हर खाने की मेज पर गूंजती रही। हमें यह महसूस हुआ है कि कहीं बाहर पहाड़ों में, हमारे सैनिक जाग रहे हैं, सतर्क हैं और खतरे में हैं। जबकि हममें से ज्यादातर लोग अपने घरों में रहे। वहीं, अंधेरे में खड़े पुरुष और महिलाएं हैं, जो अपनी जान से हमारी नींद की रक्षा कर रहे हैं। आपको एहसास होता है कि यह सिर्फ बहादुरी नहीं है।

मेट्रो बाजार

सोने ने मारी बड़ी छलांग, 95000 के पार पहुंचा दाम, सिल्वर 97,500 के ऊपर

नई दिल्ली। एक दिन की राहच के बाद सोने की कीमतों ने फिर बड़ी छलांग लगाई है। 10 ग्राम सोने का भाव 95,372 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है यह कल 92,920 रुपए पर था। इसी तरह चांदी भी 0.42 फीसदी महंगी हुई है, ये 97,700 रुपए प्रति किग्रा पर है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कोमेक्स पर सोना 3,293 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 3,284.60 डॉलर प्रति औंस था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कोमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.27 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 33.17 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.08 डॉलर की तेजी के साथ 33.25 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मेक इन इंडिया की उड़ान

भारत का रक्षा निर्यात एफवाई 26 में 30,000 करोड़ तक पहुंचने का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारत ने बीते 11 वर्षों में रक्षा निर्यात के क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है। वित्त वर्ष 2014 में जहां देश का रक्षा निर्यात मात्र ?686 करोड़ था, वहीं एफवाई 25 में यह आंकड़ा 34 गुना बढ़कर 23,622 करोड़ तक पहुंच गया। अब सरकार का लक्ष्य एफवाई26 में इसे ?30,000 करोड़ और एफवाई29 तक 50,000 करोड़ तक ले जाने का है।

विशेषज्ञों का मानना है कि रक्षा उत्पादन और निर्यात में इस उछाल के पीछे सरकार द्वारा किए गए कई सुधारात्मक कदम हैं- जैसे औद्योगिक लाइसेंस प्रक्रिया का सरलीकरण, पार्ट्स और कंपोनेंट्स को लाइसेंस व्यवस्था से बाहर करना और निर्यात नियमों में ढील देना। इन प्रयासों ने भारत को रक्षा उपकरणों के शुद्ध आयातक से एक उभरते निर्यातक में बदल दिया है।

रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन- एफवाई25 में भारत का रक्षा निर्यात 21,083 करोड़ से बढ़कर 23,622 करोड़ हो गया, जो कि 12त्न की वृद्धि है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, भारत अब 100 से अधिक देशों को हथियार, गोला-बारूद, सिस्टम्स, सब-सिस्टम्स और अन्य रक्षा उपकरणों का निर्यात करता है। शीर्ष तीन आयातक देशों में अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया शामिल हैं।

सरकारी और निजी क्षेत्र की भूमिका- एफवाई25 में कुल रक्षा निर्यात में निजी क्षेत्र का योगदान 15,233 करोड़ रहा, जबकि रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों ने 8,389 करोड़ का निर्यात किया। यह एफवाई24 में हुए 5,874 करोड़ के निर्यात से 42.9त्न अधिक है। 2014-24 के दशक में भारत का रक्षा निर्यात 4,312 करोड़ से बढ़कर 88,319 करोड़ हो गया यानि 21 गुना वृद्धि।

ट्रक ने बाइक सवार किसान को मारी टक्कर, मौके पर मौत

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित भोपाल बैरसिया रोड पर एचपी पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार किसान को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से किसान सड़क पर गिरा था और ट्रक की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर बैठा मजदूर घायल हो गया। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। भोपाल बैरसिया रोड पर एचपी पेट्रोल पंप के पास हुआ हादसा पुलिस के अनुसार रामलखन दांगी (40) बरखेड़ा बरामद में रहते थे और खेती किसानी करते थे। बुधवार रात वह हाली (मजदूर) के साथ बैरसिया आए थे। बैरसिया में काम निपटाने के बाद वह बाइक से घर लौट रहे थे, तभी एचपी पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वे सड़क पर गिरे थे और डंपर ने उन्हें चपेट में ले लिया। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इमरत को गंभीर चोट आई है।

इंस्टाग्राम पर मां पिता से माफी मांगी, फिर लगा ली फांसी

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव लालूखेड़ी में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश खेत में पेड़ पर लटकी मिली। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है। आत्महत्या करने से पहले उसने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी। पोस्ट में उसने मां पिता से माफी मांगी और अपनी मर्जी से आत्महत्या करने की बात लिखी है। एसआई साहब सिंह इवने ने बताया कि रोहित उर्फ कल्लू मीणा पिता अकेसिंह (18) गांव लालूखेड़ी, बैरसिया में रहता था और खेती किसानी करता था। उसके भाई विकास मीणा ने बताया कि रोहित दूध डेयरी का काम देखता था और मझला भाई था। मंगलवार रात परिवार ने खाना खाया और सो रहे थे। रात करीब 11 बजे विकास ने मोबाइल पर इंस्टाग्राम खोला तो उसे रोहित की पोस्ट नजर आई। पोस्ट में लिखा था मां पित मुझे माफ करना। मैं अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा हूं। पोस्ट पढ़ने के बाद विकास ने रोहित को घर में देखा, लेकिन वह नहीं मिला। देर रात परिजन उसकी तलाश करने के लिए निकले और खेत में उन्होंने उसकी लाश पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकी देखी।

न्यायिक अभिरक्षा से फरार आरोपी के खिलाफ पुलिस ने किया मामला दर्ज

भोपाल । आबकारी एवट का एक आरोपी न्यायिक हिरासत से फरार हो गया। 9 मई को सुनवाई के दौरान आरोपी कोर्ट में पेश हुआ था। कोर्ट ने उसकी जमानत खारिज की थी जिसकी जानकारी उसे लगी और वो कोर्ट से फरार हो गया। जिसके बाद एमपी नगर पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि 2022 में सुखी सेवनिया में अवैध शराब का एक टैंकर पलटा था। अवैध शराब की तस्करी के मामले में उग्रसेन गौतम समेत 4 से 5 लोगों को आरोपी बनाया गया था। इस मामले में उग्रसेन गौतम को उस वक्त जमानत मिल गई थी। इस मामले में सुनवाई चल रही थी जिसके चलते कोर्ट ने किसी कारण आरोपी की जमानत खारिज करने का आदेश देने वाली थी जिसकी भनक लगते ही आरोपी कोर्ट से फरार हो गया। फरार होने के बाद कोर्ट रीडर की शिकायत पर एमपी नगर पुलिस ने आरोपी के फरार होने की एफआईआर दर्ज कर ली है और उसकी तलाश की जा रही है।

एसडीओपी ने की जांच, एक माह बाद हुआ खुलासा, आरोपी पति गिरफ्तार

मासूम बेटी बनी मां की हत्या की चश्मदीद- पापा ने डंडे से मारा था

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित ग्राम चांदपुर में एक माह पूर्व नवविवाहिता की संदिग्ध हालातों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने पति के खिलाफ हत्या व प्रताड़ना की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। नवविवाहिता की मौत का मामला होने की वजह से जांच एसडीओपी मंजू चौहान ने की। घटना के समय मृतका की पांच साल की बेटी मौके पर मौजूद थी और हत्याकांड की चश्मदीद गवाह है। मासूम बेटी और परिजनों के बयानों के बाद खुलासा हुआ कि दहेज की मांग कर पति ने डंडे से पीट-पीटकर पत्नी की हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। एसडीओपी मंजू चौहान के मुताबिक ग्राम चांदपुर ईंटखेड़ी निवासी शारदा अहिरवार (25) का विवाह करीब नौ साल पहले दिनेश अहिरवार से हुआ था। दिनेश मेहनत-मजदूरी करता है। उनके तीन बच्चे हैं। सबसे बड़ी बेटी की उम्र पांच साल है। विगत 23 अप्रैल की दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में शारदा अहिरवार की मौत हो गई थी। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पति दिनेश ने पुलिस को बताया था कि गिरने से उसकी पत्नी की मौत हुई है। लेकिन घटना को लेकर पुलिस को संदेह हुआ। महिला के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में आई चोट कुछ अलग ही कहानी बयां कर रही थीं। लिहाजा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी।

बेटी ने कहा, पापा ने डंडे से मारा

पुलिस ने बताया कि दिनेश अहिरवार शराब पीने का आदी था। शादी के कुछ दिन बाद से ही उसने दहेज की मांग शुरू कर दी थी। वह पत्नी पर मायके से पैसे लेने का दबाव बनाता था। वह मोटरसाइकिल दिलाने मांग कर भी शादी से मारपीट करता था। विगत 23 अप्रैल को भी इसी बात को लेकर दिनेश ने पत्नी की डंडे से पिटाई कर दी थी। उस समय वह शराब के नशे में धुत था। पांच साल की बेटी घटना के समय घर में ही मौजूद थी। बच्ची ने अपने बयान में कहा कि पिता ने मां को डंडे से बहुत बुरी तरह पीटा था। इसके अलावा मृतका के परिजनों के बयान भी दर्ज किए गए। अपने बयानों में परिजनों ने बताया कि दिनेश दहेज की मांग कर आए दिन शारदा के साथ मारपीट करता था।

चार माह की गर्भवती थी शारदा

पुलिस ने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शारदा की मौत पिटाई से आई चोटों के कारण होने की पुष्टि हुई थी। रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि मृतका चार माह की गर्भवती थी। आरोपी को पता था कि उसकी पत्नी गर्भवती है। बावजूद इसके उसने पत्नी को इतनी बेरहमी से पीटा कि उसकी मौत हो गई।

बच्चे की मौत पर कुआं मालिक पर केस

भोपाल। नजीराबाद इलाके में कुएं में गिरने से हुई पांच साल के बच्चे की मौत के मामले में पुलिस ने कुएं के मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया है। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि कुएं में सुरक्षा को उचित प्रबंध नहीं किए गए थे, जिसके चलते बच्चा कुएं में गिर गया था। जानकारी के अनुसार राज अहिरवार पुत्र इंदरसिंह अहिरवार (5) ग्राम सांगोल थाना शमशाबाद जिला दिदिया का रहने वाला था। वह अपने परिजनों के साथ ग्राम तिलोनिया नायसमंद आया हुआ था। बीती ग्यारह मई को राज की मां ऊधम सिंह अहिरवार के निर्माणाधीन कुएं पर पानी भरने जा रही थी, तभी बच्चा राज भी पीछे-पीछे पहुंच गया। कुएं के पास पैर फिसलने के कारण वह अंदर जा गिरा था। स्थानीय लोगों ने उसे बाहर निकालकर इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से हमीदिया अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया था। हमीदिया में इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई थी। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि निर्माणाधीन कुएं पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे, जिसके चलते यह हादसा हुआ था। इसलिए पुलिस ने कुएं के मालिक ऊधम सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

दुकान बंद कर रहे जूता कारोबारी पर नकाबपोश ने किया चाकू से हमला

पकड़ने की कोशिश करने पर जांघ पर मारा चाकू, तलाश शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मंगलवार थाने से चंद कदम दूर किन्नर वाली गली में मंगलवार रात एक नकाबपोश बदमाश ने दुकान बंद कर रहे जूता व्यापारी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। उसके बाएं हाथ की कोहनी व जांघ पर गंभीर चोटें आई हैं। हमीदिया अस्पताल में इलाज के बाद वह रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंचा। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है। जिस गली में वारदात हुई वहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। घटनास्थल से बाहर की ओर आने-जाने वाले मार्ग पर लगे कैमरे खोजकर फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फिलहाल आरोपी की पहचान नहीं हो सकी है। फरियादी ने भी उसे पहचानने से इनकार कर दिया है।

पुलिस के मुताबिक मोचीपुरा मंगलवारा निवासी शुभम जाटव (26) की किन्नर वाली गली मंगलवारा में जूते की दुकान है। मंगलवार 20 मई की रात करीब साढ़े 9 बजे वह अपनी दुकान बंद कर ताला लगा रहा था। तभी पीछे से कोई अज्ञात व्यक्ति आया और धारदार हथियार से शुभम के बाएं हाथ पर वार कर दिया। शुभम ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो हमलावर ने झूमाझटकी कर उसके बाएं पैर की जांघ पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया और पीछे की गली से भाग निकला।

फरियादी ने पुलिस को बताया कि हमला करने वाले व्यक्ति के मुंह पर काला कपड़ा बंधा था। झूमाझटकी के दौरान उसने चेहरा देख लिया था। सामने आने पर वह उसे पहचान लेगा। शुभम के चाचा नारायण उसे लहूलुहान हालत में हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। उसके बाएं हाथ की कोहनी व बायीं जांघ पर गंभीर चोट आई है।

थार जीप और आटो समेत कई दोपहिया वाहन चोरी

भोपाल। राजधानी के विभिन्न इलाकों से बदमाश एक थार जीप और दो आटो समेत कई दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हालांकि एक भी वाहन चोरी का खुलासा नहीं हो पाया है। जानकारी के अनुसार गौतम नगर थानांतर्गत नारियलखेड़ा स्थित भगत सिंह चौराहे के पास रहने वाले शिवाश शर्मा की घर के सामने खड़ी महिंद्रा थार जीप चोरी हो गई। चोरी गए जीप की कीमत 12 लाख रुपए बताई गई है। इधर शाहजहांनाबाद थानांतर्गत रामनगर कलारी के सामने खड़ा सुरेश अहिरवार का बैटरी आटो चोरी चला गया। सुरेश ने यह आटो किराए पर चलाने के लिए लिया था। आसपास तलाश करने के बाद भी जब आटो नहीं मिला तो थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी प्रकार गांधी नगर थानांतर्गत शिवाजी वार्ड से जितेंद्र भार्गव का आटो चोरी हो गया।

समझाईश नहीं माना व मवेशी से टकराया बाइक सवार, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित दानापानी रोड पर मंगलवार रात तेज रफ्तार बाइक सवार मवेशी से टकरा गया। इस हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई, जबकि बाइक पर बैठी महिला समेत 12 साल की बच्ची घायल हुई है। घायलों का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने घायल महिला की शिकायत पर मृतक के खिलाफ तेजी और लापरवाहीपूर्वक बाइक चलाकर एक्सीडेंट करने का मामला दर्ज किया है।पुलिस के अनुसार उमाबाई राजपूत साईंबोर्ड कॉलोनी, हबीबगंज में रहती हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह गृहणी है। उनका देवर जाटखेड़ी में रहता है। उसके घर हाथ वाली

पड़ोसन की शिकायत पर मृतक के खिलाफ पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

चक्की है। उन्हें देशी दाल निकालनी थी। बुधवार को वह जाटखेड़ी जाने के लिए निकली। इसी बीच मोहल्ले में रहने वाले धनीराम पिता रामअवतार (40) ने उसे कहा कि वह बाइक से लेकर चल रहा है। धनीराम के कहने पर उमाबाई अपनी 12 साल की बेटी के साथ धनीराम की बाइक से जाटखेड़ी चली गई। जाटखेड़ी में उसने दाल निकाली और साईंबोर्ड लौट रही थी। धनीराम बाइक लापरवाहीपूर्वक तेजी से चला रहा था। दानापानी वाइन शॉप के पास पहुंचने पर बाइक मवेशी से टकराकर अनियंत्रित हो गई। तेज रफ्तार बाइक गिरने से तीनों को चोट आई थी और एंबुलेंस की मदद से

मेट्रो एंकर पुलिस मीडिया प्रबंधन, और सूचना प्रौद्योगिकी थीम पर कार्यशाला

सही सूचना, समय पर जनता तक पहुंचे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशानुसार पीटीआरआई जहांगीराबाद में जिला स्तर पर पुलिस विभाग के मीडिया प्रकोष्ठ के अधिकारियों के लिए "पुलिस मीडिया प्रबंधन, मीडिया ट्रेंड्स और सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पुलिस प्रशासन की संचार प्रणाली को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाना था। इस कार्यशाला के माध्यम से पुलिस अधिकारियों को मीडिया से संवाद की रणनीतियां, सकारात्मक प्रस्तुति, सूचना साझा करने की प्रक्रिया एवं पत्रकारों के साथ समन्वय स्थापित करने के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया गया। कार्यशाला का शुभारंभ पुलिस महानिरीक्षक

अंशुमान सिंह ने किया। कार्यशाला में विशेष अतिथि के रूप में सीएम हाउस पीआरओ ज्वाइंट डायरेक्टर अशोक मनवानी तथा पुलिस उप महानिरीक्षक टीके विद्यार्थी उपस्थित रहें। इसके अलावा पीएसओ टू डीजीपी विनीत कपूर, एसओ टू डीजीपी मलय जैन सहित प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस मीडिया का कार्य संपादन करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। साथ ही शहडोल पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव एवं उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा वर्चुअली उपस्थित रहें। समय पर पहुंचे सही सूचना अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ए साई मनोहर ने कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस, मीडिया और पब्लिक—तीनों समाज के स्तंभ हैं। मीडिया के माध्यम से पुलिस की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है। सोशल मीडिया आज सूचना का तीव्र माध्यम है। अत- पुलिस मीडिया सेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हम सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि सही सूचना, सही समय पर जनता तक पहुंचे, और अफवाहों को समय रहते रोका जा सके। अशोक मनवानी ने पुलिस अधिकारियों को जनसंपर्क विभाग की स्थापना, कार्यप्रणाली, प्रमुख शाखाएं तथा पत्रकारिता के विविध पक्षों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जनसंपर्क विभाग का मुख्य उद्देश्य शासन की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाना और शासन व आमजन के बीच एक प्रभावी संवाद स्थापित

100 से अधिक कैमरे खंगालने के बाद झालावाड़ में मिला चोरी का डंपर

चार दिन बाद लावारिस हालत में बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

परवलिया सडक़ थाना क्षेत्र से चोरी हुआ डंपर राजस्थान के झालावाड़ से लावारिस हालत में बरामद किया गया है। पुलिस की टीम ने 100 से अधिक कैमरों के फुटेज के आधार पर रोड मैप तैयार कर चोरी के डंपर तक जा पहुंची। फिलहाल डंपर चोरी करने वाले आरोपी का सुराग नहीं लग सका है। उसकी तलाश की जा रही है।

थाना प्रभारी रोहित नागर ने बताया कि फरियादी रघुवीर मीणा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 19 मई की रात करीब दस बजे उनका ट्रायवर आकाश डंपर क्रमांक एमपी 04 वायएच 3385 मेरे घर ग्राम

मुबारकपुर के पास खड़ा कर अपने घर चला गया था। अगले दिन सुबह रघुवीर मीणा घूमने के लिए उठे तो डंपर पार्किंग में नहीं दिखा। उन्होंने अज्ञात आरोपी के खिलाफ डंपर चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस की टीम ने भोपाल से लेकर झालावाड़ तक आठ टोल नाकों के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और हाइवे पर दुकानों के करीब 100 कैमरे खंगाले। फुटेज चैक करती हुई पुलिस टीम झालावाड़ जिले के झालरपाटन थाना के बागदादी होटल के पास पहुंची। वहां चोरी के डंपर को पेड़ों के पीछे छिपाकर खड़ा किया गया था। पुलिस ने मौके से डंपर बरामद कर लिया। फिलहाल डंपर चोरी करने वाले आरोपी का सुराग नहीं लग सका है। उसकी खोजबीन की जा रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करौंद-भानपुर बाइपास विलेज गसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए- 182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022